कोटद्वार, मंगलवार
6 मई 2025
वर्षः 47
अंकः 16 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

गोदाम में मिला व्यक्ति का शव, हड़कंप

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के सुभाषनगर में उस समय हड़कंप मच गया जब एक मिठाई के गोदाम में एक व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस के मुताबिक सोमवार को भानु प्रताप ने पुलिस को सूचना दी गई कि एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही चौकी बाजार से उप निरीक्षक देवेंद्र तोमर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान विनोद कश्यप (42) पुत्र गणेश कश्यप निवासी गली नंबर 14, सुभाष नगर के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जांच में किसी तरह की बाहरी चोट या संघर्ष के निशान सामने नहीं आए हैं, हालांकि मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। कोतवाली प्रभारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। विनोद पेशे से मिठाई की दुकान पर काम करता था।

जम्मू–कश्मीर में आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम

श्रीनगर ,जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम हो गई है। सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस ने सुरनकोट के जंगलों में संयुक्त तलाशी अभियान चलाकर एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान सुरक्षा बलों ने 5 आईईडीबरामद किए, जिनमें 3 टिफिन बॉक्स और 2 स्टील की बाल्टियों में विस्फोटक सामग्री छिपाई गई थी। इसके अलावा एक 5 लीटर का गैस सिलेंडर, दो वायरलेस सेट, एक दूरबीन, दो ऊनी टोपी और तीन काली पैंट भी बरामद हुई हैं। इस कार्रवाई के बाद खुफिया एजेंसियों ने इनपुट दिया है कि श्रीनगर सेंट्रल जेल और जम्मू की कोट बलवाल जेल में आतंकी हमला हो सकता है। इन जेलों में कई हाई–प्रोफाइल आतंकी और ओवर ग्राउंड वर्कर बंद हैं। इनपुट के आधार पर जेल परिसरों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। डीजी ष्टद्बस्न्न ने रविवार को श्रीनगर में सुरक्षा ग्रिड के अधिकारियों से मुलाकात कर हालात की समीक्षा की और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए। सुरक्षाबलों का मानना है कि आतंकी किसी बड़े हमले की तैयारी में थे, जिसे वक्त रहते विफल कर दिया गया।

राहुल गांधी का ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानना बड़ी बात: संजय राउत

मुंबई ,शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ऑपरेशन ब्लू स्टार पर दिए बयान की सराहना करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। राउत ने कहा कि राहुल गांधी एक साफ–सुथरे और ईमानदार नेता हैं, जो अपनी गलतियों को स्वीकार करने की हिम्मत रखते हैं।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को गलती मानकर बड़ी बात की है, जबकि उस समय वह राजनीति में नहीं थे। गलती स्वीकार करना राजनीति में दुर्लभ है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह को उनसे सीख लेनी चाहिए। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और सेना के जनरल को खोया, लेकिन राहुल ने उस दौर की गलती को स्वीकार कर साहस दिखाया। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेता है।

पीएम मोदी के बाद राजनाथ सिंह ने दोहराई बदला लेने की बात

बोले–देश पर आंख उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब देंगे

नई दिल्ली , रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। रविवार को संस्कृति जागरण महोत्सव को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि एक रक्षा मंत्री के तौर पर यह उनका दायित्व है कि वे सैनिकों के साथ मिलकर देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने जोर देकर कहा, मेरा यह दायित्व है कि अपनी सेना के साथ मिलकर देश के ऊपर आंख उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब दूं। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली, दृढ़ता और जोखिम उठाने के भाव का जिक्र करते हुए कहा कि देशवासी जैसा चाहते हैं, वैसा होकर रहेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा और दोषियों को सजा दी जाएगी। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। इस हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने दोषियों को सजा दिलाने का संकल्प लिया था और केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए हैं। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने 'राजनीतिझ् शब्द के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह शब्द 'राजझ् और 'नीतिझ् से मिलकर बना है, लेकिन दुर्भाग्य से अपना मूल अर्थ खो चुका है। उन्होंने पूज्य संतों से आशीर्वाद मांगते हुए कहा कि वे भारत की राजनीति में इसके सही अर्थ को पुनः स्थापित करना चाहते हैं। रक्षा मंत्री ने भारत की ताकत को परिभाषित करते हुए कहा कि यह केवल सशस्त्र सेनाओं में नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति और आध्यात्मिकता में भी निहित है। उन्होंने कहा कि भारत सही मायने में तभी विकसित बनेगा जब वह आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत होगा। उन्होंने राष्ट्र की तुलना शरीर से करते हुए कहा कि जिस प्रकार हम शरीर की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार संत राष्ट्र की आत्मा की रक्षा करते हैं। राष्ट्र की आत्मा की रक्षा तभी संभव है जब हम अपनी संस्कृति, मूल्यों और आध्यात्म से जुड़े रहें। भारत की भूमि वीर अर्जुन जैसे योद्धाओं की भी है और भगवान बुद्ध जैसे महायोगियों की भी। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की वह पवित्र भूमि है जहां तलवार भी तपस्या से पवित्र होती है।

चार धाम यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए धामी सरकार का बड़ा कदम

केदारनाथ-बद्रीनाथ हाईवे को जोड़ने वाली टनल अस्थायी रूप से खोली गई

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : उत्तराखंड में इस वर्ष चारधाम यात्रा ऐतिहासिक स्तर पर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनी हुई है। लाखों की संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु भगवान केदारनाथ और भगवान बद्रीनाथ के दर्शन के लिए पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। ऐसे में यात्रा को व्यवस्थित और सुगम बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार द्वारा लगातार महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं।

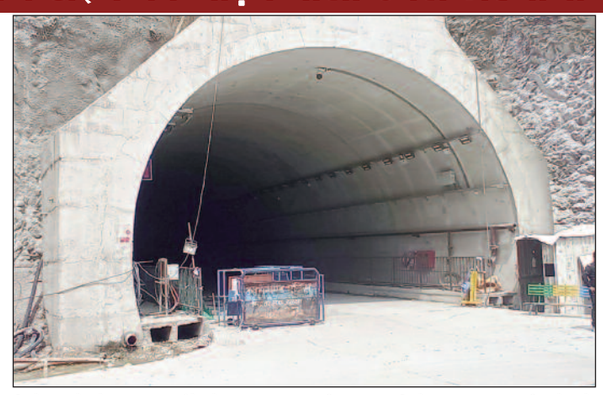

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशन पर केदारनाथ हाईवे और बद्रीनाथ हाईवे को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण टनल को जिला प्रशासन द्वारा अस्थायी रूप से खोल दिया गया है। यह टनल अब यात्रियों के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में कार्य करेगी, जिससे यात्रा मार्ग पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम से उन्हें राहत मिलेगी। टनल के खुलने से विशेषकर उन श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा जो केदारनाथ हाईवे से यात्रा कर रहे हैं। वे अब बेलनी पोखरी मार्ग होते हुए सीधे बद्रीनाथ हाईवे से जुड़ सकेंगे। इसके अलावा यह मार्ग रुद्रप्रयाग के मुख्य बाजार तक भी आसान पहुंच प्रदान करेगा, जिससे न केवल यात्रियों को सहूलियत होगी, बल्कि स्थानीय व्यापारियों और निवासियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। प्रशासन की ओर से इस टनल के रखरखाव और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से यात्रियों को बचाया जा सके। संबंधित विभागों को सतर्क रहने और मार्ग की निगरानी करते रहने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि चारधाम यात्रा उत्तराखंड की आस्था, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का केंद्र है। सरकार की प्राथमिकता है कि हर यात्री को सुरक्षित, सुविधाजनक और अविस्मरणीय यात्रा अनुभव मिले। इसी उद्देश्य से राज्य में यात्रा मार्गों को चौड़ा करने, वैकल्पिक मार्ग तैयार करने और आपातकालीन व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। टनल के अस्थायी रूप से खुलने से यात्रा मार्ग की भीड़ कम होगी, जिससे विशेषकर आपातकालीन सेवाओं, एंबुलेंस, पुलिस और राहत वाहनों की आवाजाही भी सहज हो सकेगी। स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग और लोक निर्माण विभाग द्वारा इस मार्ग पर संयुक्त निगरानी रखी जा रही है। यात्रा सीजन के दौरान इस तरह के कदम राज्य सरकार के सतत प्रयासों का प्रमाण हैं कि चारधाम यात्रा को न केवल आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक मॉडल के रूप में भी स्थापित किया जा रहा है।

केदारनाथ–यमुनोत्री उत्तराखंड चारधाम रूट पर बारिश–ओलावृष्टि का अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड में पांच, छह और सात मई को भारी बारिश, ओलावृष्टि और अंधड़ का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। केदारनाथ–यमुनोत्री सहित उत्तराखंड चारधाम यात्रा रूट पर विशेषतौर से अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद आपदा प्रबंधन विभाग भी अलर्ट मोड पर आ गया है। चारधाम यात्रा रूट सहित प्रदेश के पर्वतीय जिलों में स्थित संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त फोर्स तैनात किया गया है। इसी के साथ ही पुलिस–प्रशासन के अधिकारी–कर्मचारी भी अलर्ट मोड पर हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली चमकने का ऑरेंज अलर्ट रहेगा। मैदानों में बारिश, अंधड़ की चेतावनी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि लोहाघाट में 42, धनोल्टी में 17, चमोली में 11.6, मालदेवता में 15, देहरादून में 14 एमएम बारिश दर्ज की गई।

आपदा प्रबंधन विभाग ने भी जारी किया अलर्ट

उत्तराखंड में बारिश, ओलावृष्टि के पूर्वानुमान के चलते आपदा प्रबंधन विभाग ने अलर्ट जारी किया। स्टेट कंट्रोल रूम के ड्यूटी अफसर हेमंत बिष्ट ने कहा कल पांच मई को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत एवं नैनीताल में बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है। छह और सात मई को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर, देहरादून एवं नैनीताल में ओलावृष्टि कहीं–कहीं का पूर्वानुमान है।

नैनीताल में छाए घने बादल

नैनीताल में सोमवार को सुबह से ही शहर में घने बादल छाए हुए हैं और बारिश की संभावना बनी हुई है। बीते कुछ दिनों से शहर में मौसम खराब होने के चलते तापमान में भी गिरावट देखने को मिल रही है। बारिश और तेज हवाओं के चलते ठंड में भी बढ़ौतरी हुई है। बीते दिनों जहां शहर का तापमान 30 से 32 डिग्री तक पहुंच रहा था वह अब घटकर 24 से 26 डिग्री तक पहुंच चुका है।

जंगल में छोड़ा गया राजाजी का बाघ

देहरादून। राजाजी टाइगर रिजर्व के पश्चिमी हिस्से में बाघों को कुनबा बढ़ाने के लिए कार्बेट से गुरुवार को लाए गए बाघ को सोमवार को जंगल में छोड़ दिया गया। उसे अब तक बाड़े में रखा गया था। पार्क निदेशक कोको रोशे ने बताया कि इसके साथ ही राजाजी के पश्चिमी हिस्से में ट्रासलोकेशन के तहत लाए गए बाघों की संख्या पांच हो गई है। जिसमें तीन मादा हैं। उन्होंने बताया कि इस बाघ को सेंट्रल जू अथॉरिटी और एनटीसीए की ओर से जारी एसओपी का पालन करते हुए कार्बेट के बिजरानी जोन से यहां लाया गया था। सोमवार को वन मंत्री सुबोध उनियाल की उपस्थिति में उसे बाड़े से निकालकर जंगल में छोड़ दिया गया है।

इस दौरान चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन रंजन मिश्रा,डिप्टी डायरेक्टर महामित यादव,वरिष्ठ पशु चिकित्सक डा. राकेश नौटियाल, वार्डन अजय लिंगवाल, मोतीचूर रेंजर महेश प्रसाद सेमवाल और कार्बेट के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डा. दुष्यन्त शर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

अमृतसर में आतंकी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

अमृतसर । पंजाब पुलिस ने आतंकी और आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान विजय मसीह, अग्रेज सिंह और इकबाल सिंह के रूप में हुई है, ये सभी तरनतारन के निवासी हैं। इनके तार ब्रिटेन स्थित गैंगस्टर धर्मप्रीत सिंह उर्फ धर्म संधू और तरनतारन के जस्सा पट्टी से जुड़े हैं।

पुलिस ने इनके कब्जे से 3 ग्लॉक पिस्तौल, 3 बेरेटा 30 बोर पिस्तौल, 20 जिंदा कारतूस (9 मिमी), 20 जिंदा कारतूस (30 बोर), 4 मोबाइल फोन और एक एक्टिवा स्कूटर बरामद किया है।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि ये तीनों अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोहों के साथ संपर्क में थे और अवैध हथियारों की तस्करी में शामिल थे। पुलिस ने थाना लोपोके में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, ताकि इस नेटवर्क की पूरी जानकारी सामने आ सके। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने तीन सहयोगियों विजय मसीह, अग्रेज सिंह और इकबाल सिंह, सभी तरनतारन के निवासी को गिरफ्तार किया है, जो ब्रिटेन स्थित गैंगस्टर धर्मप्रीत सिंह उर्फ धर्म संधू और तरनतारन के जस्सा पट्टी से जुड़े हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 3 ग्लॉक पिस्तौल, 3 बेरेटा 30 बोर पिस्तौल, 20 जिंदा कारतूस (9 मिमी), 20 जिंदा कारतूस (30 बोर), 4 मोबाइल फोन और 1 एक्टिवा स्कूटर बरामद किया है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि तीनों अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोहों के साथ सक्रिय संपर्क में हैं और अवैध हथियारों की आवाजाही में शामिल हैं। पुलिस थाना लोपोके में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। नेटवर्क की पूरी हद को उजागर करने के लिए आगे की जांच जारी है। पंजाब पुलिस संगठित अपराध को खत्म करने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं बीते दिनों पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पंजाब के माहौल को खराब करने की साजिशों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, पंजाब का माहौल खराब करने की अंतरराष्ट्रीय कोशिश चल रही है।

आठ दिनों में 157 बसों में 5,717 पहुंचे चारधाम

ऋषिकेश, चारधाम यात्रा में तीर्थदर्शन को यात्रियों की भीड़ बढ़ रही है। आस्थापथ पर रोजाना रोटेशन की बसों से यात्री रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ऋषिकेश से रवाना हो रहे हैं। आठ दिनों में अभी तक 157 बसों में 5,717 यात्री धामों के लिए जा चुके हैं। सोमवार को सुबह से ही चारधाम ट्रांजिट एवं पंजीकरण केंद्र में तीर्थयात्रियों के जत्थे ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंचे। इनमें हरियाणा, दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक आदि राज्यों के यात्री शामिल रहे। नेपाल से भी जत्थों में पहुंचे यात्री चारधाम पंजीकरण को काउंटरों पर कतारों में लगे दिखे। संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति की सात बसों में 219 यात्री सोमवार को चारधाम यात्रा के लिए निकले।

बदरी–केदार के जयकारों के बीच उन्होंने ऋषिकेश से यात्रा शुरू की। समिति के प्रभारी नवीन तिवाड़ी ने बताया कि 28 अप्रैल से अभीतक 5,717 यात्री चारधाम के लिए जा चुके हैं। जबकि, विभिन्न राज्यों से यात्रियों का ऋषिकेश पहुंचने का क्रम जारी है। उन्होंने बताया कि रोटेशन ने दो हजार से ज्यादा बसों की व्यवस्था इस बार यात्रा के लिए की गई है। बुकिंग मिलने पर तत्काल यात्रियों को बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं। 200 यात्री मिले मेडिकल अनफिटः चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य जांच के लिए पंजीकरण केंद्र में 24 घंटे चिकित्सालय का संचालन किया गया है। हेल्थ स्क्रीनिंग के लिए अलग से परिसर में डेस्क भी स्वास्थ्य विभाग ने स्थापित की हैं। 28 अप्रैल से अभीतक 1,400 यात्रियों की स्वास्थ्य चिकित्सालय व डेस्क पर की जा चुकी हैं, जिसमें उन्हें आवश्यक परामर्श व पहाड़ी इलाकों में स्वास्थ्य के प्रति सावधानियों से अवगत कराया जा रहा है। खांसी–जुकाम, डायरिया समेत अन्य बीमारी के लिए उन्हें मुफ्त दवा भी चिकित्सालय में दी जा रही है। वहीं, डॉ. विजय गौड़ के अनुसार जांच में 200 यात्री चारधाम यात्रा के लिए मेडिकली अनफिट भी मिले हैं। उन्हें यात्रा में जाने से परहेज की सलाह दी गई है, लेकिन वह खुद के रिस्क पर लिखित देकर यात्रा पर गए हैं। 1,800 से ज्यादा रजिस्ट्रेशनः तीर्थयात्रियों के ऑफलाइन पंजीकरण के लिए ट्रांजिट केंद्र व संयुक्त यात्रा बस अड्डे पर 30 काउंटर स्थापित किए गए हैं। आश्रम–धर्मशालाओं में ठहरे यात्रियों के लिए रजिस्ट्रेशन मोबाइल टीम अलग से गठित है। सोमवार को 1,800 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन ऋषिकेश में हुए। पंजीकरण के बाद यात्रियों ने बसों, टेंपो ट्रैवलर और टैक्सी आदि से ऋषिकेश से यात्रा का शुभारंभ किया। रजिस्ट्रेशन प्रारंभ होने से लेकर अभीतक 25 हजार से अधिक यात्रियों का पंजीकरण किया जा चुका है।

पांच मंजिला इमारत में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जले

कानपुर ,कानपुर के चमनगंज इलाके में एक पांच मंजिला इमारत में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इमारत के नीचे जूते का कारखाना था और ऊपर के चार तल पर एक ही परिवार रहता था। दमकल की बारह से ज्यादा गाड़ियाँ और स्ष्ठक्रस्न की टीम आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह 5:30 बजे आग पर काबू पाने में सफल हुई।

एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन में इमारत के अंदर फंसे पांच सदस्य पति–पत्नी व उनके तीन बच्चे को निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। दो अन्य को जलने व धुएँ के जहरीले प्रभाव से बचाया गया है।

डीसीपी दिनेश त्रिपाठी ने प्रारंभ में तीन फंसे सदस्यों की जानकारी दी थी, लेकिन विस्तृत तलाशी अभियान में सभी पांच को मृतावस्था में पाया गया।

चारधाम यात्रा प्रबंधन में व्यक्तिगत तौर पर जुटे सीएम धामी

चारों धामों में कपाट खुलने के दिन मौजूद रहने वाले पहले सीएम बनें पुष्कर सिंह धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखंड की आर्थिकी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली चारधाम यात्रा जोर शोर से शुरू हो गई है। यात्रा के पहले ही दिन से यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। इसी के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चारों धामों से लेकर प्रमुख यात्रा पड़ावों तक लगातार यात्रा तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री कपाट खुलने के दिन चारों धामों में मौजूद रहने वाले पहले मुख्यमंत्री भी बने हैं।

चारधाम यात्रा का शुभारंभ 30 अप्रैल को गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस दिन पहले गंगोत्री और फिर यमुनोत्री धाम में पहुंच, यात्रा तैयारियों का जायजा लिया। यमुनोत्री धाम में इससे पहले कोई भी सीएम, कपाट खुलने के दिन नहीं पहुंच पाए थे। इसी तरह सीएम धामी दो मई को केदारनाथ और चार मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के दिन भी दोनों धामों में मौजूद रहे। इस तरह राज्य के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब कोई सीएम चारों धामों में कपाट खुलने के दिन मौजूद रहे। इससे जहां यात्रा तैयारियों को गति मिली, वहीं यात्रियों को भी बेतहर सुविधाएं मिल पाई। इसी तरह सीएम पुष्कर सिंह धामी चार धाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव ऋषिकेश में भी लगातार यात्रा तैयारियों का जायजा लेते हुए, प्रबंधन अपने हाथ में लिए हुए हैं। सीएम लगातार यात्रियों से भी बातचीत करते हुए, फीडबैक ले रहे हैं। साथ ही जरूरी दिशा निर्देश भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शासन-प्रशासन के अधिकारियों को चार धाम यात्रा मार्ग पर मौसम को देखते हुए खास सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

मोदी के नेतृत्व में भारत निर्ममता के साथ ड्रग कार्टेल को खत्म कर रहा : अमित शाह

नई दिल्ली ,एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि कि एनसीबी की अमृतसर जोनल यूनिट ने 4 राज्यों में 4 महीने तक चले ऑपरेशन के ज़रिए ड्रग डायवर्जन कार्टेल को खत्म किया, 547 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की और 15 लोगों को गिरफ़्तार किया। शाह ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नशामुक्त भारत बनाने के विज़न् की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने इसके लिए एनसीबी की टीम को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में मादक पदार्थों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में एक वितरक से 1.36 करोड़ साइकोट्रॉपिक टैबलेट जब्त किए हैं। एनसीबी ने उत्तराखंड के हरिद्वार में एक निर्माता से 11,693 सीबीसीएस बोतलें और 2.9 किलो ट्रामाडोल पाउडर भी जब्त किया है। जब्त दवाओं का कुल मूल्य लगभग 547 करोड़ रुपए है। 'नशा मुक्त भारत् बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुसरण में एनसीबी की अमृतसर जोनल इकाई ने पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में गैर–चिकित्सीय उपयोग के लिए फार्मास्युटिकल दवाओं के अवैध विचलन और वितरण में शामिल प्रमुख नेटवर्कों का भंडाफोड़ किया है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में दिसंबर 2024 से अप्रैल 2025 तक खुफिया जानकारी आधारित अभियान और मामलों की जांच में 'टॉप टु बॉटमझ् और 'बॉटम टु टॉप अप्रोच के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण जब्ती और गिरफ्तारियां हुईं, जिसने निर्माताओं, स्टॉकिस्टों और फ्रंट ऑपरेटरों के बीच एक जटिल गठजोड़ को उजागर किया।

भारत सरकार की सख्ती

नई दिल्ली ,तनाव के बीच भारत सरकार ने एक और सख्त कदम उठाते हुए दो न्यूज पोर्टल्स बलूचिस्तान टाइम्स और बलूचिस्तान पोस्ट के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर भारत में प्रतिबंध लगा दिया है।

यह कार्रवाई कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ अपनाए गए आक्रमक रवैये का हिस्सा है। सोशल मीडिया पर कार्रवाई के तहत भारत ने पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक्स अकाउंट्स पर भी भारत में रोक लगाई थी। ख्वाजा आसिफ भारत के खिलाफ भड़काऊबयानबाजी और परमाणु हमले की धमकी देने के लिए चर्चा में थे।

पूजा मंडल के हत्यारोपी मुश्ताक के घर पर बुलडोजर एक्शन

रुद्रपुर। उत्तराखंड के उधमसिंहनगर जिले में रहने वाली पूजा मंडल के हत्यारोपी मुश्ताक के घर पर सोमवार को पुलिस–प्रशासन का जोरदार बुलडोजर ऐक्शन हुआ है। हत्यारोपी मुश्ताक के घर को जमींदोज कर दिया गया। अपने प्रेमी के साथ पूजा हरियाणा के गुरुग्राम में चली गई थी और पूजा वहीं से लापता हो गई थी। मुश्ताक के घर पर धवस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस फोर्स भी तैनात की गई थी। उधमसिंहनगर जिले के रुद्रपुर में नानकमत्ता के बंगाली कॉलोनी निवासी पूजा मंडल की नृशंस हत्यारोपी मुश्ताक अहमद पुत्र अली का सितारगंज के गौरखेड़ा में बने घर को प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया। विदित हो कि नानकमत्ता की पूजा मंडल की मुश्ताक ने 16 नवंबर 2024 को नृशंस हत्या कर दी थी। मुश्ताक ने पूजा का मर्डर कर सिर को धड़ से अलग कर नहर में फेंक दिया था। पांच महीने से लापता होने के बाद पूजा क बहन ने 19 दिसम्बर 2024 को हरिद्वार के गुरुग्राम में गुमशुदगी दर्ज करायी थी। मुश्ताक ने दो नवम्बर 2024 किच्छा की लड़की से सितारगंज के गौरीखेड़ा में करीब आठ माह पहले बनाये घर में निकाह किया था।

शनिवार को हरियाणा पुलिस ने गौरीखेड़ा में मुश्ताक के घर पहुंची थी। लेकिन घर में ताला लगा था। सोमवार की तड़के जिलेभर की पुलिस, पीएसी, पुलिस व प्रशासनिक अफसर गौरीखेड़ा पहुंचे। यहां गांव के आवागमन के रास्तों में बैरिकेटिंग लगाकर व भारी पुलिस बल तैनात कर आवागमन बंद कर दिया।

इस दौरान जेसीबी मशीन से टिन शैड के बने मकान को जमींदोज कर दिया। भारी पुलिस बल व प्रशासन को देखकर ग्रामीण घरों में रहे और धवस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार का कोई विरोध नहीं हुआ।

सुनील बनकर मुश्ताक ने की थी शादी

मुश्ताक ने अपना नाम बदलकर पूजा मंडल को अपने प्रेमजाल में फंसाया था। पुलिस जांच में यह बात सामने आई थी कि मुश्ताक ने सुनील यादव बनकर पूजा से शादी रचाई थी। शादी के बाद मुश्ताक पूजा पर धर्मांतरण का भी दबाव बनाता रहा। पुलिस की ओर से दोनों की काउंसलिंग भी कराई थी।

सम्पादकीय

यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सुविधाएं

चार धाम यात्रा आयोजन के लिए इस बार राज्य सरकार ने अन्य व्यवस्थाओं के साथ–साथ स्वास्थ्य को प्राथमिकता पर रखा है। गलत सीजन में कुछ श्रद्धालुओं की यात्रा के दौरान मृत्यु हो गई थी इसके बाद यह महसूस किया जाने लगा था कि तमाम व्यवस्थाओं के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राथमिकता पर रखना यात्रा आयोजन के लिए बेहद जरूरी है। इसी को देखते हुए इस यात्रा सीजन में 567 डॉक्टरों की टीम तैनात की गई है जो देश–विदेश से आने वाले तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे। यही नहीं चारधाम यात्रा में 800 से अधिक पैरामेडिकल स्टॉफ भी तैनात किया गया है। ज्यादा भी आता आयोजन में ऐसा पहली बार हुआ है जब इतनी बड़ी संख्या में मेडिकल स्टाफ को स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए तैनात किया जा रहा है। इतना विशालकाय प्रबंधन यह बताने के लिए काफी है कि राज्य सरकार चार धाम यात्रा के सफल आयोजन एवं यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर कितनी गंभीर है। यात्रा के लिए तैनात किए गए उक्त मेडिकल स्टाफ को यात्रा मार्गी, मुख्य पड़ावों और चारों धामों की स्थाई एवं अस्थाई चिकित्सा इकाईयों में तैनात किया जाएगा। खास बात यह है कि बुजुर्गों की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सक भी मौजूद रहेंगे। उत्तराखंड की चार धाम यात्रा विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच पूरी करनी पड़ती है और इसमें अक्सर उंचे पहाड़ी स्थान पर बुजुर्गों के लिए श्वास एवं हृदय संबंधी दिक्कतें ऑक्सीजन की कमी के कारण देखने को मिलती है। पिछले वर्ष ऐसे कुछ प्रकरण सामने आए थे जिनमें ऑक्सीजन व हृदय रोगों के कारण कुछ बुजुर्गों की यात्रा मार्ग में मृत्यु हो गई थी। राज्य सरकार को श्वास रोग एवं हृदय रोग के मामलों को देखते हुए आपातकालीन सेवाएं भी यात्रा मार्ग पर बनाए गए स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध करानी होगी खासतौर से केदारनाथ, बद्रीनाथ व हेमकुंड साहिब मार्ग पर व्यापक प्रबंधन की आवश्यकता है। राज्य सरकार के अनुरोध पर इस बार केंद्र सरकार ने यात्रा के लिए 13 विशेषज्ञ चिकित्सकों को भी भेजा है जिसका लाभ निश्चित तौर पर विषम परिस्थितियों में श्रद्धालुओं को मिलेगा। आपात स्थिति में यात्रियों के लिए एयरलिफ्ट सुविधा भी सरकार उपलब्ध कराएगी ताकि समय पर मरीज को अस्पताल पहुंचा कर राहत दी जा सके। स्वास्थ्य केंद्र में "लाइफ सेविंग" दवाइयां की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी एवं आपात स्थिति में उन परिस्थितियों से बचना होगा जहां मरीजों को समय पर दवाई उपलब्ध न होने का बहाना ढूंढा जाए। सरकार की ओर से इस बार यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर अभूतपूर्व व्यवस्थाएं की गई है और उम्मीद की जाती है कि इस बार की चार धाम यात्रा श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभदायक साबित होगी।

कूटनीतिक मोर्चे पर भारत को अभूतपूर्व समर्थन

हिमानी रावत

पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध जो भी कदम उठाए हैं, उन्हें चीन को छोड़कर विश्व के सभी प्रमुख देशों का समर्थन मिला है। यहां तक कि अधिकांश मुस्लिम राष्ट्रों ने भी भारत के रुख का समर्थन किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तो भारत के प्रधानमंत्री से लगभग यह कह दिया है कि प्रधान मंत्री मोदी जो कुछ भी करेंगे, अमेरिका उनका समर्थन करेगा। फ्रांस, रूस, अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, इटली, इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई बड़े देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके भारत के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है।

भारत की एक और महत्वपूर्ण कूटनीतिक सफलता यह रही कि पहलगाम हमले से लेकर अब तक हमने कभी भी पाकिस्तान का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। पिछले आतंकी हमलों के दौरान जिस तरह से भारत द्वारा पाकिस्तान को डोजियर सौंपा जाता था, इस बार ऐसा कुछ नहीं किया गया, इसके बावजूद पाकिस्तान बौखलाहट में है। यहां तक कि उसके रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने भी यह स्वीकार किया है कि पाकिस्तान पिछले 30 वर्षों से आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर रहा है। स्पष्ट रूप से, भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान पर दबाव बढ़ा दिया है। इसी के साथ रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपने ह्यमन की बातह्न कार्यक्रम में पहलगाम हमले को लेकर दुख व्यक्त किया। उन्होंने यह बिल्कुल सही कहा कि आतंक की तस्वीरों को देखकर हर भारतीय का खून खौल रहा है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही थी और लोगों की आय बढ़ रही थी, तब देश और विशेष रूप से जम्मू–कश्मीर के दुश्मनों को यह अच्छा नहीं लगा। हम सभी को यह समझना होगा कि आतंकवादी चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए। इस मुश्किल घड़ी में 140 करोड़ देशवासियों की एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

वास्तव में, भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वही भावना पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद दुनिया भर से लगातार संवेदनाएं आ रही हैं। स्वाभाविक रूप से, कई राष्ट्र प्रमुखों ने प्रधानमंत्री को फोन करके पहलगाम की घटना पर दुख जताया है और इस जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। प्रधानमंत्री का यह कहना एकदम सही है कि पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है।

फिलहाल, पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि उसके पास सात दिनों से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार नहीं बचा है। इसके बावजूद, जनरल मुनीर के जिहादी बयान और शेखचिल्ली जैसे दावे कम नहीं हुए हैं। यह कहावत चरितार्थ होती है कि रस्सी जल गई, पर ऐंठन नहीं गई। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो का ह्यखून या पानीह्न बहने वाला बयान भी दरअसल सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले से उत्पन्न घबराहट का परिणाम है।

यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 2008 में मुंबई हमले के बाद भारत में गुस्से और बदले की भावना को शांत करने के लिए पाकिस्तान ने संयुक्त जांच का प्रस्ताव रखा था, लेकिन अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली से पूछताछ के आधार पर मुंबई हमले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ भारत द्वारा भेजे गए डोजियर पर पाकिस्तान ने कोई कार्रवाई नहीं की। विभिन्न आतंकी हमलों की जांच के संबंध में भारत द्वारा भेजे गए 20 लेटर रोगेटरी (एलआर) का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। इसके अतिरिक्त, पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले की भारत–पाकिस्तान की संयुक्त जांच भी हुई थी, जिसके लिए पाकिस्तानी जांच दल भारत आया था, लेकिन उसका कोई परिणाम सामने नहीं आया। स्पष्ट है कि किसी भी निष्पक्ष और स्वतंत्र एजेंसी से जांच की शरीफ की मांग सिर्फ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने और भारत की संभावित जवाबी कार्रवाई से बचने का एक प्रयास है। एक तरफ पाकिस्तान पहलगाम हमले से अपना पल्ला झाडऩे की कोशिश कर रहा है, तो दूसरी ओर वह कश्मीर को अपनी ह्यगर्दन की अहम नसह्न बताने से भी बाज नहीं आ रहा है।

ए आई : भारत को समय के साथ चलना होगा

अशोक शर्मा

भारत का मानना है कि एआई का उपयोग देश विशेष अपने निजी हितों तक सीमित न रखे। यानी एआई नवाचार को बढ़ावा तो दिया जाना चाहिए, लेकिन इसके नियमन को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। बहरहाल,बड़े पैमाने पर एआई के दुरुपयोग की आशंका के बीच विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना अपरिहार्य ही है। यही वजह है कि यूरोपीय देशों ने इस दिशा में सतर्क रुख अपनाया है। ताकि जांच और संतुलन बनाने वाले कदमों से दुनिया में डीपफेक व भ्रामक प्रचार पर अंकुश लगाया जा सके।

फ्रांस के तत्वावधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आयोजित समिट पिछले दिनों राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सह–अध्यक्षता में संपन्न हुई। यह समय दरअसल,एआई के क्षेत्र में भारत को अपनी प्राथमिकता तय करने का है। हालांकि, समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवर्द्धन के रोडमैप पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में गहरे मतभेद भी उजागर हुए। मेजबान फ्रांस,भारत व प्रमुख हितधारक चीन समेत दुनिया के साठ देशों ने डिजिटल विभाजन को कम करने के लिये एआई पहुंच को बढ़ावा देने, इसे खुला,समावेशी, पारदर्शी, नैतिक, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के संकल्प लेते हुए एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। वहीं अमेरिका और ब्रिटेन ने इस पर असहमति जतायी और हस्ताक्षर नहीं किए। जबकि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे। डी। वेंस ने वैश्विक नेताओं को चेताया कि अत्यधिक विनियमन से तेजी से बढ़ते एआई उद्योग की गति थम सकती है। जो बताता है कि अमेरिका एआई जोखिमों को कम करने के यूरोप के प्रयासों से खुश नहीं है। दरअसल, अमेरिका एआई की अपार संभावनाओं पर वर्चस्व चाहता है। उसे चीन की चुनौती भी स्वीकार नहीं है। इसके विपरीत भारत ने एआई को वैश्विक भलाई के लिये विकसित करने पर बल दिया है। भारत का मानना है कि एआई का उपयोग देश विशेष अपने निजी हितों तक सीमित न रखे। यानी एआई नवाचार को बढ़ावा तो दिया जाना चाहिए, लेकिन इसके नियमन को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। बहरहाल,बड़े पैमाने पर एआई के दुरुपयोग की आशंका के बीच विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना अपरिहार्य ही है।

यही वजह है कि यूरोपीय देशों ने इस दिशा में सतर्क रुख अपनाया है। ताकि जांच और संतुलन बनाने वाले कदमों से दुनिया में डीपफेक व भ्रामक प्रचार पर अंकुश लगाया जा सके। फलतः भविष्य में नियामक मानदंडों को आसान बनाने पर सहमति बनानी जरूरी है। इसके लिये पूरी तरह से दरवाजे खोलना किसी आपदा को आमंत्रण जैसा भी हो सकता है। पेरिस में एक्शन समिट ऐसे वक्त में हुई है जब एआई में अमेरिकी वर्चस्व को चीनी कंपनी डीपसीक जबर्दस्त चुनौती दे चुकी है। उसने कम लागत में बेहतर एआई टूल पेश करके बताया है कि इस दौड़ में चीन कहीं आगे निकल चुका है। निस्संदेह, इस क्षेत्र में तमाम नई खोजों की संभावनाएं बरकरार हैं। लेकिन सुरक्षा मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। दरअसल, आने वाला समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है, लेकिन इसका अनियंत्रित विकास मानवता के लिए घातक भी साबित हो सकता है। ऐसे में एआई विकास में पारदर्शिता व नियमन के अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाने भी जरूरी हैं। जरूरी है कि हम एआई की वैश्विक चुनौती के बीच अपने इंजीनियरों व वैज्ञानिकों की मेधा का बेहतर उपयोग करके नई खोजों का मार्ग प्रशस्त करें। अन्यथा भारत एआई की नई खोजों की दौड़ में पिछड़ सकता है। फिक्रहै कि भारत जैसे बड़ी बेरोजगारी वाले देश में कहीं एआई रोजगार संकट का वाहक न बने। कम जनसंख्या वाले विकसित देशों के लिये जहां यह तकनीक उपयोगी साबित होगी, वहीं श्रम प्रधान संस्कृति वाले भारत में यह विसंगति भी पैदा कर सकती है। निश्चित रूप से एआई के इस्तेमाल से बेहतर कार्य संस्कृति पैदा होगी, लेकिन यह प्रयास रोजगार के अवसर कम न करे। कृत्रिम मेधा के नियमन और नवाचार के साथ हम रोजगार के अवसर भी बढ़ाएं। भारत में एआई को तेजी से अपनाया जा रहा है। नीति आयोग ने भी इसे प्रोत्साहन देने के लिये राष्ट्रीय नीति तैयार की है। आने वाले वर्षों में एआई की देश की सुरक्षा, आर्थिकी, चिकित्सा, कृषि तथा शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका होगी,लेकिन जरूरी है कि युवाओं के लिये पर्याप्त रोजगार के अवसर भी सृजित हों।

शब्द हिंसा का बेलगाम समय!

–प्रो.संजय द्विवेदी

यह शब्द हिंसा का समय है। बहुत आक्रमक, बहुत बेलगाम। ऐसा लगता है कि टीवी न्यूज मीडिया ने यह मान लिया है कि शब्द हिंसा में ही उसकी मुक्ति है। चीखते–चिल्लाते और दलों के प्रवक्ताओं को मुर्गी की तरह लड़ाते हमारे एंकर सब कुछ स्क्रीन पर ही तय कर लेना चाहते हैं। यहां संवाद नहीं है, बातचीत भी नहीं है। विवाद और वितंडावाद है। यह किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का संवाद नहीं है, आक्रमकता का वीभत्स प्रदर्शन है। निजी जीवन में बेहद आत्मीय राजनेता, एक ही कार में साथ बैठकर चैनल के दफ्तर आए प्रवक्तागण स्क्रीन पर जो दृश्य रचते हैं, उससे लगता है कि हमारा सार्वजनिक जीवन कितनी कड़वाहटों और नफरतों से भरा है। किंतु स्क्रीन के पहले और बाद का सच अलग है। बावजूद इसके हिंदुस्तान का आम आदमी इस स्क्रीन के नाटक को ही सच मान लेता है। लड़ता–झगड़ता हिंदुस्तान हमारा सच बन जाता है। मीडिया के इस जाल को तोड़ने की भी कोशिशें नदारद हैं। वस्तुनिष्ठता से किनारा करती मीडिया बहुत खौफनाक हो जाती है।

सूचना और खबर के अंतर को समझिए –

हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। जबकि संवाद और संचार की परंपरा में संवाद से संकटों के हल खोजने का प्रयत्न होता है। हमारी परंपरा में सही प्रश्न करना भी एक पद्धति है। सवालों की मनाही नहीं, सवालों से ही बड़ी से बड़ी समस्या का हल खोजना है, चाहे वह समस्या मन, जीवन या समाज किसी की भी हो। इस तरह प्रश्न हमें सामान्य सूचना से ज्ञान तक की यात्रा कराते रहे हैं। आज सूचना और ज्ञान को पर्याय बनाने के जतन हो रहे हैं। सच यह है कि सूचना तो समाचार,खबर या न्यूज का भी पर्याय नहीं है। सूचना कोई भी दे सकता है। वह कहीं से भी आ सकती है। सोशल मीडिया आजकल सूचनाओं से ही भरा हुआ है। किंतु ध्यान रखें खबर, समाचार और न्यूज के साथ जिम्मेदारी जुड़ी है। संपादकीय प्रक्रिया से गुजरकर ही कोई सूचना,समाचार बनती है। इसलिए संपादक और संवाददाता जैसी संस्थाएं साधारण नहीं है।

हर व्यक्ति नहीं हो सकता पत्रकार–

यह कहना आजकल बहुत फैशन में है कि इस दौर में हर व्यक्ति पत्रकार है। हर व्यक्ति फोटोग्राफर है। हर व्यक्ति कम्युनिकेटर, सूचनादाता, मुखबिर हो सकता है, वह पत्रकार कैसे हो जाएगा? मेरे पास कैमरा है, मैं फोटो ग्राफर कैसे हो जाऊंगा। विशेष दक्षता और प्रशिक्षण से जुड़ी विधाओं को हल्का बनाने के हमारे प्रयासों ने ही हमारी मीडिया या संवाद की दुनिया को बहुत बड़ा नुक्सान पहुंचाया है। यह वैसा ही है जैसे कपड़े प्रेस करने वाले या प्रिंटिंग प्रेस वाले अपनी गाड़ियों पर प्रेस का स्टिकर लगाकर घूमने लगें। मीडिया में प्रशिक्षण प्राप्त और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के बिना आ रही भीड़ ने अराजकता का वातावरण खड़ा कर दिया है। लोकमान्य तिलक,महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, बाबासाहेब आंबेडकर, पं.जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, माधवराव सप्रे जैसे उच्च शिक्षित लोगों द्वारा प्रारंभ और समाज के प्रति समर्पित पत्रकारिता वर्तमान में कहां खड़ी है। भारत सरकार के आग्रह पर प्रेस कौंसिल आफ इंडिया ने पत्रकारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के निर्धारण के लिए एक समिति भी बनाई थी, जिसके समक्ष मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर मिला था। बाद में उस कवायद का क्या हुआ पता नहीं।

समाज की रूचि का करें परिष्कार –

समाज की रुचि का परिष्कार और रूचि निर्माण भी मीडिया की जिम्मेदारी है। अपने पाठकों, दर्शकों को समय के ज्वलंत मुद्दों पर अपडेट रखना, उनकी बौद्धिक, नागरिक चेतना को जागृत रखना भी मीडिया का काम है। जबकि देखा यह जा रहा है कि पाठकों की पसंद के नाम पर कंटेंट में गिरावट लाने की स्पर्धा है। ऐसे कठिन समय में मीडिया के दायित्वबोध और सरोकारों पर बातचीत बहुत जरूरी है। प्रिंट मीडिया ने भी साहित्य, कलाओं, प्रदर्शन कलाओं और मनुष्य बनाने वाली सभी विधाओं को अखबारों से निर्वासन दे दिया है। मीडिया सिर्फ दर्शक बना रहे यह भी ठीक नहीं। उसे राष्ट्रीय भावना और जनपक्ष के साथ खड़े रहना चाहिए। देखा जाए तो समाज में फैली अशांति, स्पर्धा, लालसाओं और संघर्ष के बीच विचार के लिए सकारात्मक मुद्दे उठाने ही होंगे।

अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर फिल्म का पहला गाना लाल परी रिलीज

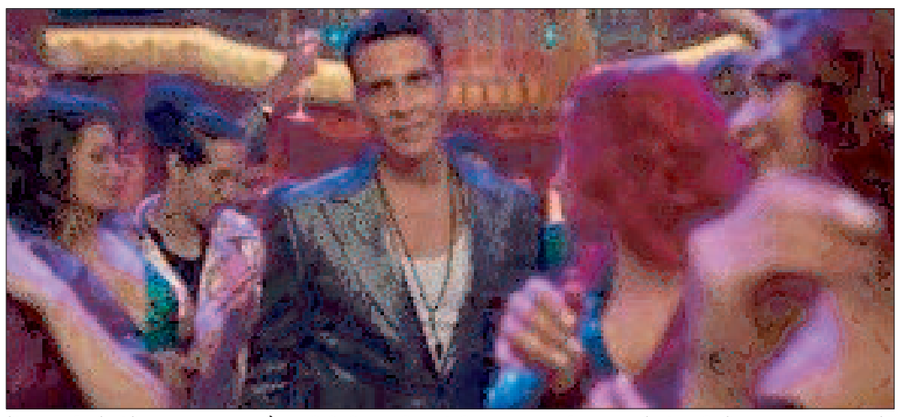

बॉलीवुड की सबसे मशहूर कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'हाउसफुल 5इ का पहला गाना 'लाल परीइ निर्माताओं द्वारा रिलीज कर दिया गया। फिल्म के टीजर रिलीज के बाद से ही इससे जुड़ी अपडेट का फैंस इंतजार कर रहे थे। गाने ने प्रशंसकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। अब उन्हें इसके ट्रेलर और सिनेमाघरों में इसके रिलीज का इंतजार है।

इस गाने के बोल हनी सिंह और अल्फाज ने लिखे हैं और इसे हनी सिंह और सिमर कौर ने मिलकर गाया है। गाने का म्यूजिक भी हनी सिंह ने ही दिया है। निर्माताओं ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर गाना रिलीज किया है। रिलीज के आधे घंटे में ही इसे लाखों व्यूज मिल चुके हैं।

टीजर में इस बार अक्षय कुमार और रितेश देशमुख समेत फिल्म में 18 कलाकारों की टोली नजर आएगी। टीजर में इन सभी को इंट्रोड्यूस कराया गया है, जिसमें अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपदे, निकितिन धीर, रंजीत, आकाशदीप साबिर, जैकलीन फर्नांडीज, नर्गिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह और सौंदर्या शर्मा मौजूद हैं। इस बार फिल्म में सिर्फ हंसी–मजाक ही नहीं, बल्कि एक मर्डर मिस्ट्री का रोमांच भी होगा। 'हाउसफुल 5इ में इस बार दर्शकों को सिर्फ कॉमेडी ही नहीं, बल्कि उसके साथ मर्डर मिस्ट्री भी देखने को मिलेगी। फिल्म की कहानी एक क्रूज शिप पर आधारित है,

4 साल के बाद पहली बार श्रीलंका का दौरा करेगी बांग्लादेश

, नई दिल्ली। बांग्लादेश की क्रिकेट टीम चार साल के लंबे इंतजार के बाद पहली बार श्रीलंका दौरे के लिए तैयार है। जून–जुलाई में श्रीलंका बांग्लादेश के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज की मेजबानी करेगा। बांग्लादेश साल 2021 के बाद पहली बार श्रीलंका में द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी। दोनों टीमें दो टेस्ट, तीन वनडे और तीन मैचों की टी20 सीरीज में आमने–सामने होंगी। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच की टेस्ट सीरीज दोनों टीम के लिए नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सर्किल की शुरुआत होगी। ये टेस्ट मैच जून में गाले और कोलंबो में खेले जाएंगे। बांग्लादेश ने आखिरी बार जब श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेली थी तो 1–0 से हारी थी। पहला टेस्ट मैच ड्रा रहा था और दूसरे में श्रीलंका ने 209 रन से जीत दर्ज की थी।

2 जुलाई से वनडे सीरीज

वनडे सीरीज की शुरुआत 2 जुलाई से होगी। पहले दो मैच कोलंबो में खेले जाएंगे, जबकि फाइनल मुकाबला पल्लेकेले में 8 फरवरी को खेला जाएगा। टी20 सीरीज की शुरुआत 10 जुलाई से होगी। यह सीरीज तीन अलग–अलग वेन्यू पर खेली जाएगी। बता दें कि हाल ही में लिटन दास को बांग्लादेश की टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है।

टेस्ट सीरीज

17–21 जून, पहला टेस्ट, गॉल
25–29 जून, दूसरा टेस्ट, कोलंबो

वनडे सीरीज

2 जुलाई, पहला वनडे, कोलंबो
5 जुलाई, दूसरा वनडे, कोलंबो
8 जुलाई, तीसरा वनडे, पल्लेकेले

टी20 सीरीज

10 जुलाई, पहला टी20, पल्लेकेले
13 जुलाई, दूसरा टी20, दांबुला
16 जुलाई, तीसरा टी20 , कोलंबो

यूएई और पाकिस्तान का करेगी दौरा

श्रीलंका दौरे से पहले बांग्लादेश को एशिया में टी20 मैच खेलने हैं। वे पहले यूएई में दो मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगे और फिर पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेंगे। हाल ही में, बांग्लादेश ने घरेलू मैदान पर जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज 1–1 से ड्रा करवाई थी, जिसमें मेहदी हसन मिराज ने शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं, श्रीलंका ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेला था। वे दो मैचों की टेस्ट सीरीज हार गए, लेकिन विश्व कप चैंपियन को वनडे में 2–0 से हराने में सफल रहे।

सुस्वागतम खुशामदीद का नया गाना बन पिया रिलीज

अर्मान मलिक, ध्वनि भानुशाली, अमोल श्रीवास्तव और अभिषेक टैलेंटेड की मधुर आवाज़ों से सजे इस गीत में अमोल–अभिषेक का जीवंत संगीत और अभिषेक टैलेंटेड के लिखे चटपटे बोल एक खुशनुमा और उत्सवमय माहौल रचते हैं, जो दिल को तुरंत छू लेता है। मशहूर कोरियोग्राफर गणेश आचार्य द्वारा नृत्यबद्ध किए गए इस गीत में जोशीले कदमों और रंग–बिरंगे भव्य दृश्यों का शानदार मेल देखने को मिलता है, जो फिल्म की युवा ऊर्जा को बखूबी दर्शाता है। बन पिया में पहली बार पुलकित और इसाबेल की चमकती केमिस्ट्री देखने को मिलती है, जो रंग–बिरंगे और उल्लासपूर्ण परिवेश में खिलती है– एक चुलबुला रोमांस जो फिल्म के प्रेम और एकता के संदेश को सुंदरता से प्रतिबिंबित करता है। गीत के बारे में बात करते हुए निर्देशक धीरज कुमार ने कहा, बन पिया केवल एक गीत नहीं है, यह हमारी फिल्म की उत्सवमय और जीवंत आत्मा है। पुलकित और इसाबेल ने इसमें अद्भुत ऊर्जा और ताजगी भर दी। हम चाहते थे कि यह गीत संस्कृतियों के संगम का सच्चा उत्सव बने, और मुझे खुशी है कि यह वैसा ही बन पाया है।

जैकलीन फर्नांडिस की नई वेब सीरीज है जुनून का ऐलान

पिछली बार अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस फिल्म फतेह में नजर आई थी, जिसमें उनकी अदाकारी की तो खूब तारीफ हुई। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। इसमें जैकलीन के साथ सोनू सूद नजर आए थे।

अब जैकलीन ने अपनी नई वेब सीरीज का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम है जुनून है। इसमें जैकलीन की जोड़ी पहली बार नील नितिन मुकेश के साथ बनी है। दिग्गज अभिनेता बोमन ईरानी भी इस सीरीज का हिस्सा हैं। है जुनून की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह सीरीज 17 मई, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। निर्माताओं ने इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, जिद्द और जुनून की जंग में केवल महानतम ही जीतेगा। है जुनून का पहला प्रोमो वीडियो भी सामने आ गया है, जिसमें जैकलीन और नितिन समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

अर्शदीप सिंह ने पावरप्ले में मचाया धमाल

धर्मशाला,आईपीएल 2025 का 54वां पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जा रहा है. इस मैच में पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पावर प्ले में कमाल का स्पैल डालकर 237 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही लखनऊ की कमर तोड़ कर रख दी.

इस मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने लखनऊ की पारी तीसरे और अपने दूसरे में धमाल मचाया. उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद पर शानदार फॉर्म में चल रहे मिशेल मार्श को शून्य के स्कोर पर नेहाल वढेरा के हाथों कैच आउट कराया. इस ओवर की पांचवीं गेंद पर

उन्होंने लखनऊ के दूसरे सलामी बल्लेबाज एडेन मार्कराम को 13 रनों के निजी स्कोर पर बोल्ड कर उनकी गिल्लियां बिखेर दीं.अर्शदीप सिंह यहीं नहीं रूके और उन्होंने अपने तीसरे और एलएसजी की पारी के पांचवें ओवर की दूसरी गेंद पर इनफॉर्म बल्लेबाज और लखनऊ के बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले निकोलस पूरन को भी पवेलियन की रहा दिखा दी. अर्शदीप ने पूरन को 6 रनों के निजी स्कोर पर एलबीड्ब्ल्यू आउट किया. अर्शदी सिंह अब तक 3 ओवर में 10 रन देकर 3 विकेट चटका चुके हैं.

इस मैच में पंजाब किंग्स ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 236 रन बनाए. पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने 48 बॉल में 6 चौके और 7 छक्कों के साथ 91 रनों की पारी खेली. कप्तान अय्यर ने 25 बॉल में 4 चौके और 2 छक्के के साथ 45 रन बनाए. जोस इंग्लिस ने 30 और शशांक सिंह ने 33 रनों का योगदान दिया.

एक नजर

10 मई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जिला न्यायालय परिसर रुद्रप्रयाग एवं बाह्य न्यायालय परिसर ऊखीमठ में आगामी शनिवार (10 मई) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रवि रंजन ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के अंतर्गत आपसी सुलह-समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जाएगा। जिसमें आपराधिक शमनीय वाद, 138 एनआई एक्ट बैंक रिकवरी वाद, बिजली एवं पानी से सम्बन्धित वाद (अशमनीय वादों को छोडकर), वेतन भत्ते एवं अन्य सेवानिवृत्ति से सम्बन्धित सेवा लाभ, धन वसूली से सम्बन्धित वाद, राजस्व वाद, अन्य दीवानी वाद (किराया, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा वाद, विनिर्दिष्ट अनुतोष आदि) इत्यादि विचाराधीन वाद एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का निस्तारण पक्षकारों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रीय जनता से उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह-समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण कराकर लाभ प्राप्त करने की अपील की गई।

डेंगू व मलेरिया बीमारी से बचाव का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गढ़वाल इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से डेंगू व मलेरिया बीमारी से बचाव और स्वच्छता को लेकर जागरूक किया। उन्होंने लोगों को जागरूक किया कि घरों के आसपास पानी इकट्ठा न होने दें, कूलरों की नियमित सफाई करें, मच्छरदानी का उपयोग करें तथा नियमित रूप से अपने मोहल्ले को साफ रखें। सोमवार को एजेंसी चौक, पौड़ी स्टेशन पर जन-जागरूकता के उद्देश्य से छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नाटक के माध्यम से लोगों को डेंगू व मलेरिया जैसी जानलेवा बीमारियों से बचाव और स्वच्छता को लेकर जागरूक किया गया। इस दौरान छात्रों ने रोचक संवादों और जीवंत अभिनय के माध्यम से बताया कि किस प्रकार गंदगी, रुका हुआ पानी और साफ-सफाई की अनदेखी से डेंगू और मलेरिया जैसे रोग फैलते हैं। नाटक के अंत में छात्रों ने स्वच्छता और मच्छर जनित रोगों से बचाव के लिए कुछ सरल, लेकिन प्रभावी उपायों की जानकारी भी दी। इस मौके पर डा. प्रियंका, निधि, ऋविक आदि मौजूद रहे।

विधायक ने किया मोटर मार्गों का शिलान्यास

श्रीनगर गढ़वाल : देवप्रयाग विधानसभा के अंतर्गत दो मोटर मार्गों के निर्माण कार्य का देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने शिलान्यास किया। मोटर मार्गों की सौगात मिलने पर ग्रामीणों ने विधायक विनोद कंडारी का भव्य स्वागत किया। शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि विकासखंड कीर्तिनगर के दो मोटर मार्गों का निर्माण कार्य 2 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से पूरा किया जायेगा। बताया का विकासखंड कीर्तिनगर के जैधार बैंड से मछानी मोटर मार्ग तक तीन किलोमीटर मोटर मार्ग का निर्माण कार्य राज्य योजना के अंतर्गत 1 करोड़ 7 लाख 92 हजार रुपये की लागत से पूरा किया जायेगा। जबकि उलाणा में सिलकाखाल सड़क के बागवान चोपड़ी नाम तोक से अनुसूचित जाती बस्ती तक 1.525 किलोमीटर ग्रामीण मोटर मार्ग का निर्माण एक करोड़ 55 लाख 9 हजार रुपये की लागत से पूरा किया जायेगा। (एजेंसी)

यूथ कांग्रेस के नगर अध्यक्ष बनें आशीष

श्रीनगर गढ़वाल : कांग्रेस पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की नगर के निजी होटल में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर कांग्रेस अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल ने की। बैठक में यूथ कांग्रेस श्रीनगर की कार्यकारिणी विस्तार को लेकर चर्चा की गई, जिसमें सर्वसम्मति से आशीष राणा को नगर अध्यक्ष यूथ कांग्रेस श्रीनगर नियुक्त किया गया। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष खिर्सू भानु बिष्ट, पीसीसी सदस्य वीरेंद्र सिंह नेगी, पार्षद सूरज नेगी, पार्षद गोली चौहान समेत अन्य मौजूद रहे। (एजेंसी)

शोध के लिए सही उपकरण व प्रशिक्षण जरूरी : प्रो. सुरेखा

देहरादून। अच्छे शोध के लिए सही उपकरण और प्रशिक्षण की जरूरत है। इसके साथ हमारे शोधकर्ता वैश्विक शैक्षिक संवाद में सार्थक योगदान कर सकते हैं। ये बात दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने सोमवार को विवि में शुरू हुई साहित्य मापनीयता सामग्री और मेटा-विश्लेषण पर आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन पर कही।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले दस लोग सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रवासी रिखणीखाल समिति की ओर से भावर क्षेत्र के निंबूचौड़ स्थित एक बारातघर के सभागार में रिखणीखाल महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर लोक गायक रमेश भारद्वाज व आर्यन सागर संस्कृति कला मंच के कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नीतू रावत, अति विशिष्ट अतिथि खुशेंद्र कुमार मैंदोला और विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र शाह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि नीतू रावत ने समिति के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से सभी प्रवासियों को आपस में मिलने का अवसर मिलता है, वहीं क्षेत्र की प्रतिभाओं से भी लोग रूबरू होते हैं। कार्यक्रम संयोजक अमित नेगी ने कहा कि समिति के प्रयास को प्रवासियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। वे इस कार्यक्रम को भविष्य में जारी रखने की कोशिश करेंगे। कार्यक्रम में सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर नागेन्द्र नेगी, धीरेन्द्र रावत, ललित मोहन घिल्डियाल, सोनाली नेगी सहित अगम्या रावत, खुर्शीद्र मैंदोला, दिनेश कुकरेती, अजंलि बिष्ट, हेमा रावत, सुषमा जखमोला को सम्मानित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिखणीखाल क्षेत्र के लोगों को सम्मानित किया गया। महोत्सव में बड़ी संख्या में रिखणीखाल प्रवासियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन धनपाल सिंह रावत एवं अनीता नेगी ने संयुक्त रूप से किया।

श्याम सुंदर अग्रवाल बनें अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारत विकास परिषद कोटद्वार की वर्ष 2025-2026 की नई कार्यकारिणी का सर्व सम्मति से गठन किया गया। कार्यकारिणी में श्याम सुंदर अग्रवाल को अध्यक्ष, राकेश मित्तल उपाध्यक्ष, प्रदीप अग्रवाल सचिव, संदीप अग्रवाल वित्त सचिव, तोताराम पांथरी व सेवकराम मानुजा को संरक्षक, राजेंद्र जखमोला संगठन सचिव, सुनील गुप्ता संयोजक संपर्क, संजय गर्ग संयोजक सेवा, श्रीमती मीनाक्षी शर्मा संयोजक संस्कार, दीपक कपटियाल संयोजक पर्यावरण, श्रीमती बीना मित्तल को संयोजक महिला सहभागिता चुना गया। जबकि गोपाल बंसल को प्रांतीय संयोजक सम्पर्क की जिम्मेदारी दी गई। नवनियुक्त अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष जल वितरण, भारत को जानो प्रतियोगिता, समूहगान प्रतियोगिता, स्वास्थ्य जांच शिविर, सामूहिक सरल कन्या विवाह, गुरूवन्दन छात्र अभिनंदन, वृक्षारोपण, महापुरूषो की जयन्ती इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किए जायेगें।

जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने ऑनलाइन हाजिरी का किया विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जूनियर हाईस्कूल (पूमा) शिक्षक संघ ने वर्षों से लंबित विभिन्न समस्याओं के हल की मांग की। कहा कि लंबित मांगों का हल नहीं होने तक लोकेशन ट्रेस कर सभी छात्रों व शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति नहीं भेजी जाएगी। कहा कि इस व्यवस्था से पूर्व केवल प्रधानाध्यापकों द्वारा ही स्विफ्ट चैट से पूरे स्टॉफ सहित छात्रों की उपस्थिति भेजी जाती थी, जिसमें काफी व्यवधान होता था अब सभी शिक्षकों को इसमें संलग्न करने पर शिक्षण कार्य आदि प्रभावित होगा। उन्होंने जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा को ज्ञापन भेजकर जल्द ही शिक्षकों की समस्याएं हल करने की मांग की है। सोमवार को जूनियर हाईस्कूल (पूमा) शिक्षक संघ ने जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा को ज्ञापन दिया। इस दौरान संघ के जिलाध्यक्ष भगत सिंह भंडारी, जिलामंत्री मुकेश काला ने कहा कि प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर जूनियर हाईस्कूलों में कार्यरत शिक्षकों ने अपनी लोकेशन ट्रेस कर स्विफ्ट चैट पर अपनी व छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन उपस्थित नहीं भेजने का निर्णय लिया है। कहा कि जब तक सभी प्रधानाचार्यों व सहायक अध्यापकों को मोबाइल, नेटवर्क पैक, ऑनलाइन प्रशिक्षण के स्थान पर ऑफलाइन प्रशिक्षण नहीं दिया जाता है तब तक इस निर्णय का विरोध किया जाएगा। कहा कि जब तक समस्याओं का हल नहीं होता तब तक जूनियर हाईस्कूलों में कार्यरत शिक्षक अपनी लोकेशन ट्रेस कर स्विफ्ट चैट पर अपनी व छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन उपस्थित नहीं भेजेगा।

लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें

पौड़ी : समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति की उपाध्यक्ष रजनी रावत ने अफसरों को हर जरूरतमंद व्यक्ति तक केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने दिव्यांग पेंशन योजना के लंबित 20 आवेदनों व विधवा पेंशन योजना के लंबित 88 आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश भी दिए। सोमवार को विकास भवन में आयोजित बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित डुबरिया ने बताया कि जिले में जिले में वृद्धाश्रम निर्माण के लिए श्रीनगर में भूमि प्रस्तावित की गई है। बैठक में जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, बालक छात्रावास अधीक्षक जयदेव नौगाई, बालिका छात्रावास अधीक्षक पंकज देवली आदि मौजूद रहे।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (क0ख0) महोदय, कोटद्वार
दी0वा0सं0- 08/2025

निर्मला देवी बनाम् सूर्यकान्त आदि समन बनाम- आम व खास

चूंकि प्रार्थीगण द्वारा मृतक गणेश चन्द्र निवासी ग्राम हर्षू, पो0ओ0 भृगुखाल, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल को मृत्यु घोषणात्मक आज्ञप्ति एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 34 वि0अनु0 अधिनियम के तहत वाद स्थापित किया है जिसमें सुनवाई हेतु दिनांक 07.05.2025 निर्धारित की गई है।

अतः हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को इस बाबत् कोई आपत्ति हो तो वह उक्त तिथि 07.05.2025 प्रातः 10.00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर जवाबदेही करें।

आज दि0 02.05.2025 को न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी।

आज्ञा से
न्यायालय श्रीमान सिविल जज (क0ख0) कोटद्वार (गढ़वाल)।

रामकथा सुनने से व्यक्ति के सारे कष्ट होगें दूर : महाराज

श्रीनगर गढ़वाल : विश्व हिंदू परिषद मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम कथा आयोजित समिति की ओर से सोमवार को विकासखंड कीर्तिनगर के लछमोली में नौ दिवसीय श्री राम कथा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर अलकनंदा नदी से शाश्वतधाम लछमोली तक जल कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। इसके बाद विधि विधान से पूजन के साथ कलश को स्थापित किया गया। कथा वाचक वासुदेव कृष्ण महाराज ने कहा कि रामकथा का हर पात्र का चरित्र वर्तमान समय में प्रासंगिक है जो कि अपने आदर्शों से हमें मनुष्य जीवन की महत्ता की सीख देती है। रामकथा सुनने से व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। कहा कि आज के युग में हमें प्रभु श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को कष्ट नहीं देना चाहिए। इससे मनुष्य में गलत धारणा पैदा होती है। हम सभी को प्रेमभाव से अपना जीवन-यापन करना चाहिए। कथा वाचक ने कहा कि कलयुग में राम का नाम जपने से जीवन का कल्याण होता है। इस मौके पर पहुंचे देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने कथा में पहुंचकर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के प्रकल्प समिति के अध्यक्ष भारत गगन अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री अजय, रवि जोशी, नरेंद्र कुंवर, नरेश कोठियाल, अमित मेवाड़, प्रीति लखेड़ा, मुकेश लखेड़ा, सुरेश नेगी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : महानगर कांग्रेस की ओर से कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए कायराना आतंकी हमले में बलिदान हुए निर्दोष नागरिकों को झंडाचौक पर कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि यह हमला पर्यटकों पर नहीं, भारत की आत्मा पर हमला है। आतंकवाद को देश लंबे समय से झेलता आया है, अब समय आ गया है कि आतंकवाद को जड़ से समाप्त किया जाय।

रविवार शाम को कांग्रेस कार्यकर्ता झंडाचौक पर एकत्रित हुए। इस मौके पर आतंकी हमले को कायराना कृत्य बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह सिर्फ शोक का नहीं, एकजुट आक्रोश और राष्ट्रीय संकल्प का अवसर है। मौके पर केंद्र सरकार से आतंकवाद पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय रावत, साबर सिंह नेगी, गणेश नेगी, सुनील दत्त सेमवाल, विजय नारायण सिंह और पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ चंद्रमोहन सिंह खर्कवाल सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

निबंध और भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के इतिहास विभाग द्वारा विभागीय प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं हेतु पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

इतिहास विभाग प्रभारी डॉ. प्रवीन जोशी ने बताया कि विभाग ने सत्र 2024-25 में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विभागीय स्तर पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिया का आयोजन किया। निबंध प्रतियोगिता में शीतल पोखरियाल बी.ए. चतुर्थ समेस्टर ने प्रथम स्थान, सौरव रावत बी.ए. चतुर्थ समेस्टर ने द्वितीय, मीनाक्षी नेगी एम.ए. द्वितीय समेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में ऋतु कुकरेती बी.ए. षष्ट समेस्टर ने प्रथम, मुस्कान बी.ए. चतुर्थ समेस्टर ने द्वितीय, पूजा बी.ए. चतुर्थ समेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि रश्मि, कामिनी, अंशु सिंह, माही एवं अंजली को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार के साथ-साथ प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में जितना महत्व विजेताओं का है, उतना ही महत्व प्रतिभागियों का भी है। विभागीय स्तर पर आयोजित होने वाली इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में छुपी प्रतिभा को उजागर कर उसे समाज के प्रति जिम्मेवार बनाना है। कार्यक्रम में डॉ. भागवत रावत, डॉ. विनोद सिंह, डॉ. जे.सी. भट्ट, डॉ. कपिल देव थपलियाल, असिस्टेंट प्रोफेसर जुनीष कुमार आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवरत्न सिंह ने किया।

20 जून तक चलेगी दिव्यांग मित्र योजना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : समदृष्टि क्षमताविकास एवं अनुसंधान मंडल सक्षम की कोटद्वार इकाई द्वारा सन्त शिरोमणि सूरदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा सूरदास रचित काव्य पाठ का वाचन भी किया गया। इस मौके पर दिव्यांग मित्र योजना का शुभारंभ भी किया गया जो सक्षम के स्थापना दिवस 20 जून तक चलेगी। योजना में समाज के सेवाभावी लोगो को इकाई से जोड़ा जाएगा।

सक्षम दिव्यांग सेवा केंद्र में इकाई अध्यक्ष योगम्बर सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में प्रांतीय सचिव कपिल रतूड़ी ने कहा कि महाकवि सूरदास ने दृष्टिबाधित होने के बावजूद कविता लेखन में अपनी अलग पहचान बनाई। कहा कि वे सक्षम के प्रेरणा स्रोत है, इसलिए इकाई के कार्यक्रमों में उनको विशेष स्थान दिया जाता है। इस मौके पर प्रांतीय सचिव कपिल रतूड़ी ने दिव्यांग सेवा केंद्र द्वारा 1467 लोगो को विभिन्न प्रकार की निःशुल्क सहायता उपलब्ध करवाने व 713 लोगो को निःशुल्क नजरी चश्मे भेंट करने के लिये सेवा केंद्र की संचालन टोली को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। सचिव विपुल उनियाल ने पिछले साल हुए कार्यक्रमों और इस वर्ष होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर सक्षम के जिला उपाध्यक्ष बलवान सिंह रावत, जिला कोषाध्यक्ष मंगत राम अग्रवाल, जिला सह युवा प्रमुख रूप सिंह, दिव्यांग सेवा केंद्र संचालिका साधना रतूड़ी, मंजू डोबरियाल, एसएस रावत, विकास रावत आदि उपस्थित रहे।

शराब पीकर हुड़दंग मचाना पड़ा महंगा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले की पुलिस सार्वजनिक, धार्मिक स्थलों व पर्यटक स्थलों पर नशा कर हुडदंग करने व गंदगी करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ने सार्वजनिक जगहों पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने पर 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके खिलाफ ऑपरेशन के तहत चालानी कार्रवाई की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि शराब पीकर हुड़दंग मचाने पर कोटद्वार में 10, श्रीनगर व लक्ष्मणझूला में छः-छः व महिला थाना श्रीनगर ने चार लोगों गिरफ्तार किया गया। साथ ही उनका चालान भी किया गया। एसएसपी ने बताया कि सार्वजनिक, धार्मिक स्थलों व पर्यटक स्थलों पर नशा कर हुडदंग करने व गंदगी करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे स्व0 पति का नाम जगमोहन सिंह उर्फ जगत सिंह है। अतः समस्त प्रमाण पत्रों में मेरे पति का नाम जगमोहन सिंह उर्फ जगत सिंह लिखा व पढ़ा जाये।

गोदाम्बरी देवी पत्नी स्व0 जगमोहन सिंह उर्फ जगत सिंह निवासी सिताबपुर, पटटी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0968/21)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा निरस्तीकरण

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा से आमन्त्रित **निविदा संख्या– 06/2024–25** को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

पत्रांक : 117/विविखनै/टी–6 दिनांक : 05.05.2025 **अधिशासी अभियन्ता**

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

विभाग :	Electrical (TRD)
टेंडर नं. :	T-01-TRD-MB-25-26
कार्य का नाम :	मुरादाबाद मंडल में पेड़ की शाखाओं की ट्रिमिंग फेज-5
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय :	24.05.2025, 11:00 Hrs.
कार्य की अनुमानित लागत (रु.) :	रु. 46,05,718.02/- (Including GST)
बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.) :	रु. 92,100/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (रु.) :	NIL
ऑफर की वैधता (दिन) :	60 days
कार्य पूरा करने की अवधि :	09 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता :	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद।

सं.: Elect/TRD/MB/2025-26/TN-01 दिनांक: 02.04.2025 **1325/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

केदार घाटी का प्रत्येक कण शिवमय : राज्यपाल

राज्यपाल ने बाबा केदारनाथ के किए दर्शन विशेष पूजा कर विश्व कल्याण की कामना

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने सोमवार सुबह पवित्र केदारनाथ धाम पहुंचकर भगवान केदारनाथ के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में विशेष रुद्राभिषेक कर पूजा-अर्चना की तथा संपूर्ण विश्व, मानवता एवं उत्तराखंड के सतत विकास के लिए बाबा से आशीर्वाद मांगा। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शिवभक्त से बड़ा इस संसार में कोई नहीं है। केदारघाटी के कण-कण में भगवान शिव का वास है। यहां के पर्वतों में भगवान शिव की छवि स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होती है। इस दिव्य भूमि पर कदम रखते ही मन ध्यानमग्न हो जाता है।

धाम आगमन पर जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार और पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने वीआईपी हैलीपैड पर पुष्पगुच्छ भेंटकर राज्यपाल का आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल गुरमीत सिंह ने तीर्थ पुरोहित समाज से भी भेंट की, जिनके द्वारा पारंपरिक मंत्रोच्चारण के साथ उनका स्वागत किया गया। बाबा केदारनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक के दौरान राज्यपाल ने शांतिपूर्ण विश्व, जनकल्याण, उत्तराखंड की प्रगति और मानवता की भलाई के लिए विशेष प्रार्थना की। पूजा संपन्न होने के बाद उन्होंने मंदिर प्रांगण में एकत्र श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और 'बोलो बाबा केदारनाथ की जय' के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय कर दिया। इस अवसर पर राज्यपाल गुरमीत सिंह ने केदारनाथ धाम में चल रहे पुनर्निर्माण और विकास कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार ने राज्यपाल को बताया कि केदारनाथ में चल रहे अधिकांश पुनर्निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं। राज्यपाल ने संगम घाट, संगम ब्रिज, सरस्वती ब्रिज एवं अन्य पुनर्निर्माण कार्यों के पूर्ण होने के साथ-साथ यात्रा प्रबंधन, विशेषकर इस वर्ष प्रारंभ की गई टोकन व्यवस्था को लेकर सम्पूर्ण प्रशासनिक टीम को बधाई दी। उन्होंने जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के नेतृत्व में लगातार 3 वर्षों से केदारनाथ यात्रा के लिए किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों की सराहना की। कहा कि पिछले तीन वर्षों की यात्रा व्यवस्था एवं प्रबंधन में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्यपाल ने जिला प्रशासन पर विश्वास जताते हुए कहा कि वर्तमान में जो भी पुनर्निर्माण कार्य शेष हैं उन्हें भी समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर लिया जाए। जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि प्रशासन और पुलिस दोनों पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहे हैं, किसी भी श्रद्धालु को यात्रा के दौरान असुविधा न हो, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर पुलीस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कौंडे, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राम प्रकाश, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चैबे, मेजर सुमित कुमार, प्रमोद चमोली तथा बद्री-केदार मन्दिर समिति से मुख्य प्रभारी अधिकारी अनिल ध्यानी, युद्धवीर पुष्पवाण, अनिल शुक्ला, विक्रम रावत, ललित त्रिवेदी एवं अन्य उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने भगवान बदरी विशाल की पूजा-अर्चना

चमोली : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) सोमवार को बदरीनाथ धाम पहुंचे जहां उन्होंने भगवान बदरी विशाल के दर्शन कर विशेष पूजा में प्रतिभाग किया। यहां उन्होंने देश और राज्य की सुख समृद्धि की प्रार्थना की। राज्यपाल ने कहा कि यहां पर उन्हें बहुत ही दिव्य अनुभव हुआ है सभी के चेहरे में एक अलग ही प्रसन्नता देखने को मिल रही है, जिससे कि वे अभिभूत हैं। राज्यपाल ने जिलाधिकारी संदीप तिवारी से धाम में चल रहे मास्टर प्लान की जानकारी ली। सिविक एनीमिटी सेंटर, सिविक कम्युनिटी बिल्डिंग, अराइवल प्लाजा की प्रगति पर संतोष जताया शेष नेत्र और बद्रीश झील का कार्य पूर्ण होने पर निर्देश दिए कि दोनों लेन की सफाई व्यवस्था सुचारू रखी जाए और आस्था पथ पर जितना लाइट इत्यादि का कार्य है उसे व्यवस्थित रखा जाए। इसके अलावा हॉस्पिटल बिल्डिंग को अगस्त तक पूर्ण करके मुख्य चिकित्सा अधिकारी को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को अच्छी चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस मौके पर उप जिलाधिकारी चंद्रशेखर विशिष्ट, बीकेटीसी के मुख्य कार्यधिकारी विजय थपलियाल, नगर पंचायत बदरीनाथ के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। (एजेंसी)

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

ई–निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित निविदा आमन्त्रित की जाती है। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं। कार्य अन्य विवरण के लिये वेबसाइट www.uktenders.gov.in को देखें।

ई–निविदा संख्या	ई–निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	ई–निविदा क्रय करने हेतु अन्तिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र आनलाइन एवं ऑफलाइन निविदा प्रथम भाग खुलने की तिथि एवं समय
01/EDDN/2025–26	रू0 590/–	उपखण्ड अधिकारी, वि0वि0 उपखण्ड, रिखणीखाल हेतु एक डीजल चालित वाहन (जीप)।	0.24	दि0. 22.05.2025 16.00 बजे तक	दि0. 23.05.2025 12.00 बजे तक	दि0. 23.05.2025 15.00 बजे तक
02/EDDN/2025–26	रू0 590/–	उपखण्ड अधिकारी, वि0वि0 उपखण्ड, स्यूँसी हेतु एक डीजल चालित वाहन (जीप)।	0.24	दि0. 22.05.2025 16.00 बजे तक	दि0. 23.05.2025 12.00 बजे तक	दि0. 23.05.2025 15.30 बजे तक
03/EDDN/2025–26	रू0 1180/–	33/11 केवी सबस्टेशन चौकीसैण अन्तर्गत अनुरक्षण, बिलिंग एवं उपभोक्ता शिकायतों का निराकरण आदि कार्य।	0.45	दि0. 22.05.2025 16.00 बजे तक	दि0. 23.05.2025 12.00 बजे तक	दि0. 23.05.2025 16.00 बजे तक

पत्रांक : 119/विविखनै/टी–6 **अधिशासी अभियन्ता**
दिनांक : 05.05.2025 **विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा**

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संक्षिप्त समाचार

चारधाम यात्रा की बेहतरी को सरकार ने उठाए आवश्यक कदमः नौटियाल

उत्तरकाशी। राज्यमंत्री और उपाध्यक्ष भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण रामसुंदर नौटियाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने चारधाम यात्रा के बेहतर संचालन को सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में चारधाम यात्रा पूरी तरह सुरक्षित और सुगम तरीके से संचालित हो रही है। उन्होंने सोमवार को जनपद दौरे के दौरान यह बातें कहीं। सोमवार को उत्तरकाशी लोनिवि गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में दायित्वधारी रामसुंदर नौटियाल ने गंगोत्री और यमुनोत्री धाम यात्रा व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए कहा कि जिले में स्थित दोनों धाम में अब तक नौ हजार 933 तीर्थ यात्री दर्शन कर चुके हैं।

यात्रा मार्ग पर जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ ही सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, पीएसी, होमगार्ड्स, पीआरडी सहित एक हजार से अधिक अधिकारियों एवं सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। दोनों धाम के सड़क मार्गों को सुगम और सुरक्षित बनाया गया है। बढ़ते यात्रियों की संख्या और वाहनों के दबाव को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्थानों पर पार्किंग स्थलों की क्षमता में वृद्धि की गई है।

वनाग्नि रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान चलाएं: डीएम

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने वन विभाग को वनाग्नि के खतरों और रोकथाम के उपायों के बारे में व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही आवश्यक अग्निशमन उपकरणों और कर्मचारियों को अलर्ट रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वनाग्नि के प्रति अतिसंवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करके वहां विशेष निगरानी करने को कहा है। सोमवार को डीएम डॉ. बिष्ट की अध्यक्षता में वनाग्नि की रोकथाम और प्रबंधन के लिए जिला कार्यालय के वीसी रूम में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि वनाग्नि के प्रति संवेदनशील स्थानों पर पहले से ही एहतियाती उपाय सुनिश्चित कर आग को रोकने का प्रयास करना जरूरी है।

इसके लिए चीड़ वृक्षों की सघनता वाले क्षेत्रों से गुजरने वाली सड़कों और आबादी के निकटवर्ती जगहों से पिरूल को हटाएं।

नौगांव के कफनौल गांव में गहराया पेयजल संकट

उत्तरकाशी। नौगांव ब्लॉक के कफनौल गांव में गर्मी शुरू होते ही पेयजल संकट गहराने लगा है। गांव के आसपास स्थित प्राकृतिक स्रोतों पर पानी नहीं होने के कारण ग्रामीण इन दिनों बूंद बूंद पानी के लिये तरस रहे हैं। ग्रामीणों ने टैंकर से पानी की आपूर्ति करने की मांग की है। नौगांव ब्लॉक मुख्यालय से करीब 40 किमी. की दूरी पर स्थित कफनौल गांव में करीब 300 परिवार निवास करते हैं। गांव में करीब तीन हजार आबादी है। इस गांव में पेयजल आपूर्ति की सुचारू के लिए जल जीवन मिशन के तहत पेयजल कनेक्शन दिए गए हैं लेकिन इन नलों पर पानी की आपूर्ति अभी तक नहीं हो पाई है। गांव से 07 किमी. मूल स्पनौल स्रोत से पानी की टैप किया जाना था लेकिन वन भूमि हस्तांतरण न होने से यह कार्य भी बंद है।

ओलावृष्टि से हुए नुकसान का मिले मुआवजा

उत्तरकाशी। जनपद के रंवाई घाटी में लगातार भारी ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है। पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। कहा कि गत एक सप्ताह से रंवाई घाटी के मोरी, पुरोला एवं नौगांव विकास खंडों में भारी ओलावृष्टि से सेब, नाशपती, आड़ू, खुमानी, सरसों गेहूं आदि फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। ओलावृष्टि से हुए नुकसान का भौतिक सत्यापन आंकलन किया जाए। किसानों और बागवानों को उचित मुआवजा दिया जाए। उधर, चिन्यालीसौड़ क्षेत्र में रविवार शाम को हुई भारी ओलावृष्टि से किसानों की गेहूं, आलू की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है।

किमडार कू पाणी, पौंटी कू घाम पुस्तक का विमोचन

उत्तरकाशी। गुंदियाट गांव राजकीय इंटर कालेज में सोमवार को साहित्यकार विजयपाल रावत की आत्मकथा हकिमडार कू पाणी, पौंटी कू घामह्न पुस्तक का लोकार्पण हुआ। पुस्तक के लेखक विजयपाल ने कहा कि दैवीय शक्तियों से भरपूर सुदूरवर्ती बडियाड़ के गांव में प्राकृतिक स्रोतों, सौंदर्य और खेत खलिहान, उच्च शिखरों का उल्लेख है।

पुस्तक एक ऐसे जनजीवन की झलक है जो पहाड़ों के संघर्ष, सादगी और आत्मबल को दर्शाती है।

केदारनाथ यात्रा से महिला समूहों को मिल रहा कारोबार

प्रसाद, सोवेनियर, स्थानीय उत्पाद के स्टॉल से लेकर होमस्टे का कारोबार

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : केदारनाथ यात्रा से इस साल भी रुद्रप्रयाग जनपद के महिला स्वयं सहायता समूहों को काम मिल रहा है। जनपद के करीब डेढ़ सौ समूह, प्रसाद, जौ, तिल, कॉइन सोवेनियर, स्थानीय उत्पादों की बिक्री करने से लेकर होमस्टे और यात्रा मार्ग पर जलपान गृह तक संचालित कर रहे हैं। जिससे सैकड़ों महिलाओं की आजीविका को सहारा मिल रहा है। केदारनाथ प्रसाद की ऑनलाइन भी खरीद की जा सकती है। इसके साथ ही उद्योग विभाग के भटवाड़ीसैंण स्थित ग्रोथ सेंटर में केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति सोवेनियर के रूप में तैयार की जाती है। जिसे श्रद्धालु केदारनाथ मंदिर से स्मृति चिह्न के रूप में अपने साथ ले जाते हैं। जिला उद्योग केंद्र रुद्रप्रयाग द्वारा संचालित इस ग्रोथ सेंटर का भी स्थानीय महिलाएं ही संचालन करती हैं। इस वर्ष अब तक पांच हजार प्रतिकृतियां तैयार की जा चुकी हैं तथा यह क्रम जारी है। जखोली ब्लॉक में करीब 50 महिला स्वयं सहायता समूह यात्रा से जुड़ा कारोबार कर रहे हैं।

इसमें 30 समूह प्रसाद तैयार कर रहे हैं, जबकि 10 समूह धूपबत्ती बनाने और 10 अन्य समूह पहाड़ी उत्पादों को बेचने का काम कर रहे हैं। इसके लिए प्रशासन ने इन्हें दुकानें भी आवंटित की हुई हैं, जहां बद्री गाय का घी 1200 रुपए प्रति किलो की दर पर उपलब्ध है। अगस्त्यमुनि ब्लॉक में करीब 38 महिला समूह यात्रा कारोबार से जुड़े हैं। समूह सोवेनियर बनाने से लेकर, प्रसाद पैकेजिंग और स्थानीय उत्पाद यात्रा मार्ग पर बेच रहे हैं। कुछ समूह यात्रा मार्ग पर जलपान गृह भी संचालित कर रहे हैं। इससे करीब 90 महिलाओं को रोजगार मिला हुआ है। उखीमठ ब्लॉक में करीब 60 महिला समूह यात्रा से संबंधित व्यवसाय कर रहे हैं।

48 महिलाएं सीधे तौर पर प्रसाद तैयार कर रही हैं, जबकि शेष सोवेनियर निर्माण, जलपान गृह, यात्रियों को ठहराने के लिए टेंट संचालन, होमस्टे और स्थानीय उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं।

वोकल फॉर लोकल के नारे को भी चरितार्थ कर रही महिलाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा महिला समूहों की आर्थिकी का आधार बन रही है। सरकार इसके लिए महिला समूहों को यात्रा मार्ग पर स्टॉल उपलब्ध कराने से लेकर हर तरह की सहायता दे रही है। महिलाएं स्थानीय उत्पादों की बिक्री कर वोकल फॉर लोकल के नारे को भी चरितार्थ कर रही हैं। सभी तीर्थ यात्रियों से अपील है कि वे स्थानीय समूहों के गुणवत्तापरक उत्पादों को खरीदने का प्रयास करें।

ऋषिकेश के बाहर प्रदर्शन, डॉक्टर पर आतंकी हमले के बाद मिठाई बांटने का आरोप, प्रशासन ने दी सफाई

ऋषिकेश। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 निदोष नागरिकों की जान चली गई। इस आतंकी हमले के दौरान एम्स ऋषिकेश में एक डॉक्टर द्वारा कथित तौर पर मिठाई बांटने का आरोप लगाया गया है। ये आरोप हिंदू संगठन के लोगों ने लगाया है। इसके चलते एम्स के गेट के बाहर विश्व हिंद परिषद और बजरंग दल से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन और संबंधित डॉक्टर को हटाए जाने की मांग भी की गई। बजरंग दल के संयोजक नरेश उनियाल का आरोप है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में इतने हिन्दू मारे गए तब पूरा देश गमगीन था। सब अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे थे। उसी वक्त एम्स में डॉक्टर तनवीर अकरम, जो बंगाल से हैं, अपने साथियों को नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को मिठाई और चिकन ऑफर कर रहा था। नरेश उनियाल का आरोप है कि कथित डॉक्टर द्वारा सोशल मीडिया पर लगाई गई स्टोरी हिन्दुओं की भावनाओं को भड़काने वाली थीं। एम्स प्रशासन ने भी इस मामले की जांच कराई है। एम्स के पब्लिक रिलेशन ऑफीसर संदीप कुमार सिंह के जरिए पता चला है कि यह सामान्य कार्यक्रम था, जिसमें नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टर शामिल थे। इस तरह के आयोजन संस्थान में अक्सर होते रहते हैं। इसका पहलगाम की घटना से कोई लेना–देना नहीं है। नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टर ने बाकायदा लिखित में जांच के दौरान इसे स्पष्ट किया है। कार्यकारी निदेशक भी संबंधित लोगों को ब्रीफ कर चुकी हैं। पहलगाम की आतंकी घटना पर एम्स प्रशासन मर्माहत है। वहीं, इसी प्रकरण में पुलिस भी जांच कर रही है, जिसमें सहयोग के लिए एम्स प्रशासन पूरी तरह से तैयार है।

स्कूल में फेसबुक, वाट्सअप चला रहे हो तो अटेंडेंस क्यों नहीं

देहरादून। शिक्षकों के लिए लोकेशन के साथ ऑनलाइन हाजिरी भरने की व्यवस्था का मुद्दा गरमाने लगा। सोशल मीडिया पर जहां नई व्यवस्था के विरोध में शिक्षक मुखर है, वहीं कई शिक्षकों ने इस व्यवस्था को समर्थन भी किया है। शिक्षक गोपाल मेहता ने लिखा कि आखिर दिक्कत क्यों? जब आप समय पर आना जाना कर ही रहे हो तो लगा दो अंगूठा। क्यों खुद को कमजोर करते हैं। नीरज मैंदोलिया ने लिखा कि स्विफचेट में पांच सेकेंड में चेक इन कर अटेंडेस लग जा रही है लोकेशन में। बहुत आसान है। यह होना ही चाहिए। इसके बाद बायोमीट्रिक की भी आवश्यकता नहीं है। शिक्षक संघ फालतू के मुद्दे उठाता है। अरुण मैंदोलिया कहते है कि लोग कह रहे हैं कि फोन हमारा निजी है। तो स्कूल में फेसबुक, वाट्सअप क्यो चला रहे हो भाई? विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों की फोटो, वीडियो भी ये लोग अपने निजी फोन व डाटा से भेज रहे हैं। वहां भी बोला न कि यह फोन हमारा निजी है। दूसरी तरफ, दिनेश चंद्र पाठक लिखते है कि योजना का स्वागत है। अनुरोध बस इतना है कि मोबाइल मेरे व्यक्तिगत कार्यों हेतु अपनी मेहनत के रुपयों से लिया है। विभागीय कार्य के लिए आप विभागीय उपकरण दिलाइये। दूसरी तरफ,जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद थापा ने कहा कि कोई भी नई व्यवस्था शिक्षकों को विश्वास में लेकर ही लागू की जानी चाहिए। स्कूलो में शिक्षक नहीं है। प्रधानाध्यापक तक नहीं है। कई क्षेत्रों में नेटवर्क की कनेक्टिविटी तक नहीं है। थापा ने कहा कि एक बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए शिक्षकों को सहयोगी समझे विभाग और सरकार संदिग्ध न समझे।

सुभाष अध्यक्ष और मनोज बने महामंत्री

ऋषिकेश। माध्यमिक संस्कृत शिक्षक एवं कर्मचारी संगठन की बैठक में संगठन की देहरादून जिला कार्यकरिणी का गठन किया गया। इस दौरान सुभाष चंद्र डोभाल को अध्यक्ष और मनोज शर्मा को महामंत्री चुना गया। सोमवार को मायाकुंड स्थित जनार्दन आश्रम दंडीवाडा में माध्यमिक संस्कृत शिक्षक एवं कर्मचारी संगठन की बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश संरक्षक सुरेन्द्र दत्त भट्ट ने की। प्रदेश महामंत्री डॉ. जनार्दन कैरवान ने संगठन की गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी दी एवं जनपद कार्यकारिणी के गठन के सम्बन्ध में जानकारी दी। उसके पश्चात सर्वसम्मति से देहरादून जनपदीय कार्यकारिणी का गठन कर सुभाष चन्द्र डोभाल को जिला अध्यक्ष, मीनाक्षी चौहान को उपाध्यक्ष, मनोज शर्मा को जिला महामंत्री, संगीता जेठुडी को सहमंत्री, आरती रतूड़ी को जिला प्रवक्ता एवं चन्द्र कांत मैठाणी को कोषाध्यक्ष बनाया गया। डॉ. दयाकृष्ण लेखक, डॉ. सन्दीप भट्ट, नवीन भट्ट, विजेन्द्र चन्द, पूजा भट्ट, विजय जुगलान, जितेन्द्र भट्ट को जिला संरक्षक मंडल का सदस्य बनाया गया।

इंडियन आइडल 12 के विनर पवनदीप राजन का कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल, आईसीयू में भर्ती

देहरादून। इंडियन आइडल 12 के विनर पवनदीप राजन का आज सोमवार को जबरदस्त रोड एक्सीडेंट हुआ है। गंभीर रूप से घायल राजन को रेस्क्यू कर एक प्राइवेट हॉस्पिटल के आईसीयू में एडमिट कराया गया है। राजन की एक्सीडेंट की खबर मिलते ही उनके प्रशंसक उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। आपको बता दें कि पवनदीप उत्तराखंड के चंपावत जिले के रहने वाले हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली–यूपी नेशनल हाईवे पर गजरौला के पास उनकी कार का रोड एक्सीडेंट हुआ है। रोड एक्सीडेंट के समय राजन उत्तराखंड से दिल्ली की तरफ जा रहे थे। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने राजन सहित अन्य सवारियों को रेस्क्यू कर नजदीकि अस्पताल में भर्ती कराया गया है।डॉक्टरों की एक टीम द्वारा राजन का इलाज किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि रोड एक्सीडेंट के समय राजन अपने घर यूपी के नोएडा जा रहे थे। रोड एक्सीडेंट के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने सभी को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया,जहां से उन्हें रेफर कर दिया। पवनदीप को आईसीयू में एडमिट किया गया है।

रोड एक्सीडेंट की यह वजह आई सामने

सिंगर पवनदीप राजन की कार के रोड एक्सीडेंट की एक चौंकाने वाली वजह सामने आई है।पुलिस सूत्रों की बात मानें तो राजन के कार ड्राइवर को नींद की झपकी आ गई थी, जिसकी वजह से एक्सीडेंट हुआ है। सड़क पर खड़े एक केंटर को कार ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे राजन, उनके साथ सफर कर रहे अजय मेहरा सहित ड्राइवर राहुल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस टीम द्वारा तुरंत ही मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

दोनों गाड़ियों को पुलिस ने किया जब्त

पवनदीप राजन के कार एक्सीडेंट के बाद पुलिस ने दोनों गाड़ियों को सीज कर दिया है। घायलों को रेस्क्यू करने के बाद पुलिस ने दोनों गाड़ियों को थाने में खड़ा कर दिया। सीओ श्वेताभ भास्कर ने एक्सीडेंट के बाद दोनों गाड़ियों को सीज कर दिया है। हाईवे पर हुए रोड एक्सीडेंट के बाद पुलिस ने भीड़ को भी हटाया।

सुदंरलाल बहुगुणा स्मृति सम्मान सैलानी और दीक्षा को मिलेगा

देहरादून। पदमविभूषण सुदंरलाल बहुगुणा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में हिमालय प्रहरी सम्मान जन कवि आंदोलनकारी स्व.घनश्याम रतूड़ी सैलानी और दीक्षा बहन को मिलेगा।

सम्मान समारोह 21 मई को देहरादून में नगर निगम में टॉउन हॉल में शाम पांच बजे आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन सेव हिमालय मूवमेंट और पर्वतीय नवजीवन मंडल आश्रम की ओर से आयोजित किया जाएगा। सेव हिमालय मूवमेंट के अध्यक्ष समीर रतूड़ी और पर्वतीय नवजीवन मंडल आश्रम के सचिव राजीव नयन बहुगुणा ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि वर्ष 2025 के लिए सम्मान का चयन पांच सदस्यीय चयन समिति ने किया। समिति में स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ.राजेंद्र डोभाल, वरिष्ठ पत्रकार राजीव नयन बहुगुणा, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जगदम्बा प्रसाद रतूड़ी, भगवती प्रसाद नैथानी और शीशराम कंसवाल शामिल हैं। पुरस्कार के पुरुष वर्ग में स्व.प्रताप शेखर, स्व.सुरेंद्र दत्त भट्ट, स्व.घनश्याम सैलानी और सदन मिश्रा के नाम पैनल में आए थे। जबकि महिला वर्ग में दीक्षा बिष्ट, नंदा देवी, बचनी देवी, जुपली देवी और हेमा देवी के नामों पर चर्चा की गई। दीक्षा को जीवनभर विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए यह सम्मान दिया गया। उन्होंने कस्तूरबा गांधी ट्रस्ट में अनौपचारिक बालवाड़ी का गठन किया। 20 साल तक वह महिला संगठन का गठन कर महिला उत्थान और वन बचाओ आंदोलन में सक्रिय रही। इसमें 70 के दशक में हेंवल घाटी और बडियारगढ़ क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका रही। उनकी 75 किमी. की पदयात्रा को देखते हुए तब सुंदरलाल बहुगुणा ने उन्हें उत्तराखंड की शेरनी की उपाधि दी थी। दीक्षा बहन को मैती सम्मान और 1992 में कस्तूरबा गांधी ट्रस्ट की ओर से पूर्व राष्ट्रपति डॉ.शंकर दयाल शर्मा ने भारत की सर्वश्रेष्ठ सेविका के सम्मान से नवाजा था। वहीं, स्व.घनश्याम रतूड़ी सैलानी की चिपको आंदोलन, सर्वोदय आंदोलन, भूदान आंदोलन, नशाबंदी आंदोलन, टिहरी बांध विरोधी आंदोलन में उल्लेखनीय कार्य के लिए यह सम्मान मरणोपरांत दिया जा रहा है।

ट्रैकर यूनियन सदस्यों ने घेरा एआरटीओ का वाहन

ऋषिकेश। ट्रैकर–सूमो यूनियन ऋषिकेश के सदस्य शहर में डग्गामारी पर भड़क गए। उन्होंने चारधाम ट्रांजिट एवं पंजीकरण केंद्र में एआरटीओ प्रवर्तन के सरकारी वाहन को घेर लिया। उन्होंने इस तरह के वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की, जिस पर एआरटीओ ने उन्हें नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया। सोमवार को यूनियन के सदस्य चारधाम ट्रांजिट केंद्र पहुंचे। यहां एआरटीओ प्रवर्तन रश्मि पंत के सरकारी वाहन को यूनियन सदस्यों ने घेर लिया। उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों में पंजीकृत वाहनों के ऋषिकेश में डग्गामारी करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि शहर और पर्वतीय रूटों पर डग्गामारी से उनका रोजगार पूरी तरह से चौपट हो गया है।

उन्हें पर्यटन और यात्रा सीजन में भी सवारियां नहीं मिल पा रही हैं, जिससे परिवार के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा गया है।

दिनोंदिन बढ़ते महिला अपराध को लेकर महिला कांग्रेस का नंगे पांव सीएम आवास कूच

देहरादून। महिला कांग्रेस ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध के खिलाफ सोमवार को हाथी बड़कला से सीएम आवास कूच किया। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बेरिकेडिंग पर ही रोक लिया। इस दौरान कांग्रेसियों ने सड़क पर बैठकर धरना देकर विरोध जताया।

बेरिकेडिंग पर जमकर धक्कामुक्की हंगामा हुआ। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महिलाओं ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते रेप, उत्पीड़न, अत्याचार के मामलों में हाथी बड़कला से नंगे पांव सीएम आवास कूच शुरू किया। सरकार पर इन तमाम विफलताओं का ठीकरा फोड़ते हुए कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया। पुलिस ने महिलाओं को कुछ ही दूरी पर बेरिकेडिंग लगा कर रोक लिया। इस दौरान जमकर खींचतान, धक्कामुक्की हुई। विरोध स्वरूप महिलाओं ने बेरिकेडिंग के पास ही धरना शुरू कर दिया। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि नैनीताल, डोईवाला से लेकर हर जगह महिला उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं।

अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ ही नहीं रह गया है। कहा कि रेपिस्ट किसी भी जाति धर्म का हो, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। कुछ लोग देवभूमि को कलंकित करने का काम कर रहे हैं। सरकार को उन अराजक तत्वों को चिन्हित कर दण्ड देना चाहिए। जो भी अपराधी है, उसे किसी भी हाल में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। भाजपा नेता महिलाओं के लिए लगातार अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं, उन पर भी सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। एक ओर भाजपा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दे रही है, दूसरी तरफ उनका संरक्षण करने में पूरी तरह असफल हुई है। कहा कि घरेलू महिलाओं के अलावा सरकार दफ्तरों में काम कर रही महिलाएं भी अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं। राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। बेटियों की हत्या की जा रही है और सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। अपराधियों को खुला संरक्षण दिया जा रहा है। इसके खिलाफ कांग्रेस सड़कों पर लड़ाई लड़ेगी। विरोध जताने वालों में महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष उर्मिला ढौंढियाल थापा, महामंत्री चन्द्रकला नेगी, पुष्पा पंवार, निधि नेगी, सुशीला शर्मा, अनुराधा तिवाड़ी, अमृता कौशल, सुशीला वेलवाल, दीपा चौहान, रेखा ढिंगरा, बीना चौहान, विमलेश आदि मौजूद रहे।

प्राथमिक शिक्षकों आठ से काली पट्टी बांधकर करेंगे काम

देहरादून। प्राथमिक शिक्षकों ने आनलाइन हाजिरी का विरोध तेज कर दिया है। प्राथमिक शिक्षक संघ की सोमवार को हुई वर्चुअल बैठक में इस पर आंदोलन की भी चेतावनी दी गई। आठ मई से वे काली पट्टी बांधकर काम करेंगे। बैठक में शिक्षकों ने कहा कि विभाग लगातार शिक्षकों के विशेष वर्ग के प्रति अविश्वास और असम्मान की भावना दिखा रहा है। जिसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। बैठक में उपस्थित शिक्षक और उनके प्रतिनिधयों ने कहा कि अधिकांश शिक्षकों के पास स्मार्ट फोन उपलब्ध नहीं हैं। देहरादून शहर से लेकर सुदूर कालसी, चकराता की विषम भौगोलिक परिस्थिति के चलते विद्यालयों में नेटवर्क की समस्याओं के कारण पहले ही बहुत समस्याओं का प्रतिदिन सामना करना पड़ रहा है। शिक्षक सत्यनिष्ठा से लगातार कार्य कर रहे हैं तथा इस प्रकार के आदेशों से समाज में शिक्षकों की छवि धूमिल हो रही है। जबकि पूर्व में विद्यालयों के प्रधानाध्यापक या प्रधानाचार्य इसी व्यवस्था के अनुसार सभी शिक्षकों की प्रतिदिन ऑनलाइन उपस्थिति प्रेषित करते आ रहे हैं। अब ऐसे में प्रत्येक शिक्षक को अपनी करंट लोकेशन भेजनी होगी। जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र रावत ने कहा कि पहले प्रत्येक विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक के साथ पठन पाठन के लिए कापी किताबें और अन्य जरूरी सामान भिजवाया जाए। प्रति माह □1000 उपस्थिति भत्ता के साथ स्मार्ट फ़ोन की व्यवस्था करें। परिषदीय व्यवस्था से चले आ रहे प्रपत्र– 9 की बाध्यता को भी समाप्त किया जाए। वर्चुअल बैठक में जिला संरक्षक शशि दिवाकर, प्रभारी मंत्री शैलेन्द्र नेगी, तदर्थ समिति सदस्य देवेश डोभाल, सतीश कपरवान,रायपुर अध्यक्ष अरविंद सोलंकी, दीप्ती रमोला, हर्षिता शर्मा, डोईवाला मंत्री सिद्धार्थ शर्मा, दिलीप सिंह, चकराता अध्यक्ष संगीता चौहान सहित कई लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंडी फीचर फिल्म कारा एक प्रथा हुई सम्मानित

देहरादून। दिल्ली में आयोजित दादा साहेब फाल्के फिल्म फेस्टिवल में उत्तराखंडी फीचर फिल्म कारा एक प्रथा को सम्मानित किया गया। फेस्टिवल ज्यूरी ने इस फीचर फिल्म को स्पेशल फेस्टिवल मेंशन अवार्ड से नवाजा। फेस्टिवल में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करने वाली यह इकलौती फिल्म रही। फिल्म के निर्माता, निर्देशक परिणीता बडोनी और सुनील बडोनी ने बताया कि कारा एक प्रथा फिल्म घेरलू हिंसा को लेकर बनाई गई है। 2005 की एक सत्य घटना से प्रेरित होकर बनी इस फिल्म ने समारोह में जमकर सुर्खियां भी बटोरी हैं। परिणीता बडोनी ने बताया कि इस फिल्म को अभी और भी अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भेजने की योजना है। इस फ़िल्म को अपने अनूठे विषय और कलाकारों के दमदार अभिनय के कारण सिनेमाघरों में भी दर्शकों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है।

बिना सूचना के लग रहे स्मार्ट मिटर का विरोध

देहरादून। सोमवार को जनता दरबार में वार्ड 51 वाणी विहार की सृजन विकास एवं सांस्कृतिक समिति की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन देकर लोगों ने बताया कि क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगने का कार्य शुरू हो चुका है। क्षेत्रवासियों को बिना सूचना दिए ही स्मार्ट मीटर लागाए जा रहे है। आगे लोगों का कहना है कि मीटर लगने से पहले सूचना देनी चाहिए थी साथ ही लोगों को मीटर से मिलने वाले लाभ के बारे में लोगों को बताया जाना चाहिए। इस अवसर पर भगवंत सिंह पयाल, बलदेव सिंह रावत, रविंद्र कुमार नौडियाल, बृज मोहन चौहान, जय प्रकाश भट्ट, आदित्य त्यागी, जे पी कोठारी, नागेंद्र जोशी और आनंद सिंह रावत मौजूद रहे।

दून में तैयार हो रहा है राज्य का पहला आधुनिक इन्टेंसिव केयर सेंटर

देहरादून। अभी कुछ महीने पहले जिस सोच के साथ काम शुरू हुआ, वह हकीकत में बदलती दिख रही है। देहरादून के साधुराम इंटर कॉलेज में राज्य का पहला आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर पर तेजी से काम चल रहा है। यह केयर सेंटर ऐसे बच्चों के लिए समर्पित है, जिनका बचपन सड़कों पर भीख मांगता है या फिर स्कूल से पढ़ाई बीच में छूट जाती है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने भिक्षावृति उन्मूलन को लेकर दून को मॉडल सिटी के रूप में तैयार करने के लिए एक अभियान शुरू किया। इसमें सिर्फ बच्चों को भिक्षावृत्ति या बाल मजदूरी से छुड़ाने भर का काम नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ाने के लिए आधुनिक सुख–सुविधाओं की चमक–धमक भी है। यहां जहां नया सेंटर अभी बन रहा है, वहीं वैकल्पिक व्यवस्थाओं के तहत नए बन रहे सेंटर की तस्वीर भी दिखती है। जहां अब तक सड़कों पर भीख मांगने वाले बच्चों के हाथ में पेंसिल, कलर हैं और कंप्यूटर का माउस भी। जिलाधिकारी सविन बंसल के मुताबिक हम एक उदाहरण पेश करना चाहते हैं, ताकि बच्चों के लिए ऐसा माहौल तैयार हो पाए, जिसमें वह दिल लगाकर पढ़ सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यदायी संस्था को स्पष्ट निर्देश हैं कि वह युद्धस्तर पर काम करे, लेकिन गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

राज्य आंदोलनकारियों की समस्याओं को मुख्यमंत्री के सामने रखेंगे

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी सम्मान परिषद के उपाध्यक्ष सुभाष बड़थवाल सोमवार को मसूरी पहुंचे। यहां उन्होंने शहीद स्थल पर राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही राज्य आंदोलनकारियों की समस्या को सुनते हुए कहा कि इन सब परेशानियों को मुख्यमंत्री के सामने रखेंगे।

सोमवार को सुभाष बड़थ्वाल सम्मान परिषद के उपाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मसूरी पहुंचे। यहां उत्तराखड राज्य आंदोलनकारी मंच मसूरी के अध्यक्ष देवी गोदियाल ने उनका स्वागत माला पहनाने के साथ ही शॉल भेंट कर किया। राज्य आंदोलनकारीयो की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन दिया भी दिया। इसमें राज्य आंदोलन के चिन्हीकरण की प्रक्रिया शुरू करने, चिन्हित आंदोलकारियों को पेंशन पट्टा देने, पेंशन बीस हजार करने के साथ ही 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण के अनुसार सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां प्रदान करने की मांग की। सुभाष बड़थ्वाल ने कहा कि चिन्हीकरण में जो छूट गये हैं उसको चिन्हित करने का प्रयास किया जाएगा। क्षैतिज आरक्षण में जो अवरोध आ रहा है उसे नया शासनादेश लगाकर हटाने का प्रयास किया जायेगा। वहीं उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियोंकी पेंशन निश्चित रूप से हर हाल में बढाई जायेगी। इस मौके पर राज्य आंदोलनकारी मंच के जिलाध्यक्ष प्रदीप कुकरेती ने कहा कि आंदोलनकारियों व सरकार के बीच सम्मान परिषद के उपाध्यक्ष पुल का कार्य करेंगे और आंदोलनकारियों की समस्याओं का समाधान होगा। कार्यक्रम का संचालन अनिल गोदियाल ने किया। इस मौके पर भाजपा मसूरी मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, पूरन जुयाल, असलम खान, भगवान सिंह धनाई, गिरिराज उनियाल, प्रदीप भंडारी, बिजेंद्र पुंडीर, शूरवीर भंडारी, धनेंद्र पुंडीर, विजय रमोला, सुरेंद्र डंगवाल, मोहन पेटवाल, अरविंद सेमवाल, श्रीपति कंडारी, राजेंद्र कंडारी, बीना गुनसोला, ममता रावत, राजेश्वरी नेगी, पुष्पा पडियार, नरेंद्र पडियार समेत अन्य मौजूद रहे।

छात्र- छात्राओं ने दिखाई देश विदेश की सांस्कृतिक झलक

देहरादून। उत्तरांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को तीन दिवसीय उत्तरांचल युवा फेस्ट का शानदार आगाज हुआ। इस दौरान विवि परिसर को पूरी तरह से सजाया गया था। जबकि छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक परेड के जरिए देश व विदेश की संस्कृति की झलक दिखाई। देर रात तक विवि परिसर में गीत संगीत की धूम रही। कार्यक्रम का शुभारंभ विवि अध्यक्ष जितेन्द्र जोशी,कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि, उपाध्यक्ष अंकिता जोशी,अनुराधा जोशी,कार्यकारी निदेशक डा. अभिषेक जोशी और उप कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि ने रिबन काटकर व गुब्बारे उड़ाकर किया। जितेंद्र जोशी ने कहा कि ये आयोजन छात्रों को भारतीय संस्कृति के साथ ज्ञान परंपरा से तो रूबरू कराएगा ही, साथ ही उनके हुनर को नई पहचान भी देगा।

सामाजिक संगठनों ने ट्रांसजेडरों के कृत्य को शर्मनाक बताया

देहरादून। दून के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने रविवार रात दिलाराम चौक पर किए गए कृत्य को शर्मनाक करार दिया। संगठनों की ओर से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही कहा कि जिस तरह से सरेआम नग्नता का प्रदर्शन किया गया, यातायात को बाधित करने के साथ ही सरकारी सेवकों के कार्य में बाधा डालने के साथ ही सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का काम किया, वह क्षमा योग्य नहीं है। सामाजिक संगठनों की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अभी तक पारिवारिक समारोह और भवन निर्माण के दौरान जबरन वसूली की शिकायतें आती रहीं थीं। इसके लिए आम लोगों में आक्रोश भी था और वह इसकी शिकायत करते आ रहे थे, लेकिन जिस तरह की घटना को रविवार रात अंजाम दिया गया, उससे साफ है कि इन्होंने कानून–व्यवस्था को खुली चुनौती दी है। संयुक्त नागरिक संगठन ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा है।

इसमें उन्होंने दायित्वधारी रजनी रावत को विश्वास में लेकर इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने की कार्ययोजना बनाए जाने की मांग की है। मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने वालों में ठाकुर शेर सिंह, नरेश चंद्र कुलाश्री, जेएस रेनोत्रा, एचसीएच रावत, विजय प्रकाश डंगवाल, आरडी भट्ट, पीएस बर्थवाल, एडवोकेट रवि सिंह नेगी, चंदन सिंह नेगी, सुशील त्यागी, उमेश्वर सिंह रावत, ताराचंद गुप्ता, अवधेश शर्मा, प्रदीप कुकरेती, अरविंद कुमार, जगमोहन मेहंदीरता, एमएस तोमर, सुनील बांगा, दिनेश भंडारी, गजेंद्र सिंह रमोला समेत अन्य शामिल हैं।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com